



१९८७

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं० 39] नई शिल्पी, अग्रहायण 15, 1908/अग्रहायण 15, 1908

No. 39] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 6, 1986/AGRAHAYANA 15, 1908

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संख्या वाली हैं जिससे कि यह अद्वग संयोजन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (iii)

PART II—Section 3—Sub-section (iii)

(उच्च राज्य सेवा प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय अधिकारियों द्वारा आर्ट., शादेश और अधिसूचनाएँ
Orders and Notifications issued by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई शिल्पी, 7 अक्टूबर, 1986

ग्रामेण

आ. अ. 235.—निर्वाचन आयोग का सम्बादान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट विधानसभा के निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-भेद से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्यक्ष अस्थार्थी, लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपर्याप्त रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर और रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अस्थार्थी ने सम्पर्क सूचना दिये जाने पर भी उक्त असफलता के लिए यातों कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अस्थावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह सम्बाद हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या व्यायोचित्य नहीं है;

अत. अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की द्वारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस ग्रामेण की सारी वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम संख्या निर्वाचन का विवरण विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र की क्रम संख्या	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निरहृता का कारण		
1	2	3	4	5
1. बिहार विधान सभा का साधारण निर्वाचन, 1985	2—बगहा (अ.जा.)	श्रीमती चन्द्रा देवी, ग्राम व डाकघर-बालिमकि नगर, पश्चिम घम्पारण, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।	
2. —वही—	—वही—	श्री यदुनी राम, ग्राम रामपूर्णिया, डाक बालिमकि नगर, पश्चिम घम्पारण, बिहार।	—वही—	
3. —वही—	3—रामनगर	श्री अवधेश मिश्र ग्राम बीबी बनकटवा, आ. बगहा, पश्चिम घम्पारण, बिहार	—वही—	
4. —वही—	—वही—	श्री ठाकुर प्रसाद यादव, ग्राम गरहिया, डाकघर पतिहार, पश्चिम घम्पारण, बिहार	—वही—	
5. —वही—	6—लोरिया	श्री जयप्रकाश प्रसाद, ग्राम तथा आ.—मलकोली पटियाली, पश्चिम घम्पारण, बिहार	—वही—	
6. —वही—	27—झसनपुर	श्री ललन सिंह ग्राम मोहम्मद पुर, आ. काला ओमड़ा, सिवान जिला, बिहार	विधि द्वारा अपेक्षित रीति से निर्वाचन व्यय का लेखा दाखिल नहीं किया।	
7. —वही—	—वही—	श्री गिरिश साह, ग्राम सिपाह, आ. सिधोली, थाना भावनपुर, सिवान जिला बिहार	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।	
8. —वही—	—वही—	श्री जगदीश सिंह, ग्राम इन्द्रीली, आ. बासनपुर थाना जामा सिवानपुर जिला बिहार	—वही—	
9. —वही—	30—मैरवा	श्री हरेन्द्र बुमार, ग्राम मैचकाना आ. मैचकाना सिवान जिला, बिहार	—वही—	

1	2	3	4	5
10.	बिहार विधान सभा का साधारण निर्वाचन, १९८५	31—दरोली	श्री चन्द्रमा पाण्डेय, ग्राम धनीठी, डा. धनीठी सिवान जिला, बिहार	निर्वाचन व्यापों का लेखा दाखिल नहीं किया।
11.	—वही—	—वही—	श्री हरेराम कानू, ग्राम सलाहपुर, डा. बलिया, वाया घट्टुर, सिवान जिला, बिहार	—वही—
12.	—वही—	32—जोरादेह	श्री भोहम्मद मोबिन, ग्राम तथा डा. हथीडा सिवान जिला, बिहार	—वही—
13.	—वही—	—वही—	श्री रफीउद्दीमियां, टोला हथीडा महुबल, छपिया बुर्जुग, सिवान जिला, बिहार	—वही—
14.	—वही—	—वही—	श्री शंकर नाथ सिंह, ग्राम तथा डा.—आलापुर, सिवान जिला, बिहार	—वही—
15.	—वही—	—वही—	श्री श्याम बिहार गोड, ग्राम नरौली, बिहार	—वही—
16.	—वही—	84—मनिगांठा	श्रो बहुमदेव सिंह, ग्राम, तथा डा. कटमा बहाही, वाया मनिगांठा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
17.	—वही—	85—बहेडा	श्रो देवेन्द्र शा, ग्राम तथा डा. पौहङडा, थाना बहेडा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
18.	—वही—	—वही—	श्री राजेन्द्र शा, ग्राम तथा डा. महिनाम, थाना बहेडा, दरभंगा बिहार।	—वही—
19.	—वही—	—वही—	श्रो राम लखन यादव, ग्राम तथा डा. सेताराम, थाना बहेडा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
20.	—वही—	86—धनश्यामपुर	श्री अमीनुद्देन, ग्राम तथा डा. गोनाउन, दरभंगा, बिहार।	—वही—
21.	—वही—	—वही—	श्री फजलु रहमान, ग्राम बघरासी, डा. कथाराम, ठाथाना जमालपुर, दरभंगा, बिहार।	—वही—

1	2	3	4	5
22.	विहार विधान सभा का सत्राधारण निर्वाचन, 1985	86—घनश्यामपुर	श्री मोताउर रहमान, प्रा. तथा डा. नारी, जाया बैने पुर, थाना घनश्यामपुर, दरभंगा, बिहार।	प्रिवाचन व्ययों का लेखा धार्यित नहीं किया।
23.	—वही—	—वही—	श्री राम किशोर भा, ग्राम तथा डा. उस्तर, कसराम, दरभंगा, बिहार।	—वही—
24.	—वही—	—वही—	श्री सुबोध नारायण, ग्राम तथा डा. रोहार, दरभंगा, बिहार।	—वही—
25.	—वही—	87—बहेड़ी	श्रा जफर, ग्राम चकरांगराम चक्रा, डा. जोरजा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
26.	—वही—	—वही—	श्री राम प्रकाश यादव, ग्राम तथा डा. बहेड़ी, थाना बहेड़ी, दरभंगा, बिहार।	—वही—
27.	—वही—	—वही—	श्री विनोद कुमार सिंह, ग्राम डा. हरलच्छा, वाया आनन्द पुर, दरभंगा, बिहार।	—वही—
28.	—वही—	—वही—	श्री विश्व शंकर चौधरा ग्राम तथा डा. पोदराग, आचल विरोल, दरभंगा, बिहार।	—वही—
29.	—वही—	88—दरभंगा ग्रामीण (अ.जा.)	श्री महादेव चौधरी, मोहल्ला लक्ष्मीसागर सोधोगाची, पो. सालबाग, दरभंगा, बिहार।	—वही—
30.	—वही—	89—दरभंगा	श्री अनिल कुमार सिन्हा, मोहल्ला डा. कथलवाड़ी, दरभंगा, बिहार	—वही—
31.	—वही—	—वही—	श्री चन्द्र मोहन पाण्डेय, मो. न्यूएज हरिमिटेज लालबाग, डा. सालबाग, दरभंगा, बिहार।	—वही—
32.	—वही—	—वही—	श्री जीष्ठ महती, मो. मिश्रोगंज, डा. जिला दरभंगा, बिहार।	—वही—

1	2	3	4	5
33.	बिहार विधान सभा का संघारण निर्वाचन, 1985	89—दरभंगा	मो. मजल्लल हक्, मो. भालूका, डा. दरभंगा, जिला दरभंगा, बिहार।	निर्वाचित अध्ययों का लेखा साखिल नहीं किया
34.	—वही—	—वही—	मो. मुमताज, मोहल्ला श्रावणपट्टारी, डा. डॉ. एम. सं. एच. लेहरी सराय, दरभंगा, बिहार।	—वही—
35.	—वही—	—वहा—	श्रो. विमलान्दु प्रसाद सिंह, ग्रामा अहिता, डा. पी. ओ. सिन्हा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
36.	—वही—	—वही—	श्रो. विनय कुमार वर्मा, मो. सरफूद्दीन, शिवाजीनगर, डा. दरभंगा, जिला दरभंगा, बिहार।	—वही—
37.	—वही—	90—केवटो	श्रो. ए. अन्तारी, ग्राम तथा डा. अरई बिरदीपुर, दरभंगा, बिहार।	—वही—
38.	—वही—	—वहो-	श्रो. मदन मोहन क्षा, ग्रामा टेकतार, डा. भधुपुर, दरभंगा, बिहार।	—वहो—
39.	—वही—	—वही—	श्रो. राम वृक्ष यादव, ग्राम माधोपट्टी, दरभंगा, बिहार।	—वही—
40.	—वही—	—वही—	श्री वासी आलम, ग्राम मुन्दरपुर, डा. खस्या, दरभंगा, बिहार।	—वही—
41.	—वही—	—वही—	श्री सचिवदानन्द औधरी, ग्राम राजीपुर, डा. बासुदेवपुर, बिरहा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
42.	—वही—	91—जाले	श्री मोहम्मद अबरार, ग्राम तथा डा. मसद, वैशाला चांदपुर, दरभंगा, बिहार।	—वही—

1	2	3	4	5
43.	विहार विद्वान् सभा का साधारण निर्वाचन, 1985	91—जाले	श्री शोमान ठाकुर, ग्राम तथा डा. मस्सा, दरभंगा, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
44.	—वही—	—वही—	श्री सुरेश प्रसाद सिंह, ग्राम तथा डा. जोगियपारा, दरभंगा जिला, बिहार।	—वही—
45.	—वही—	92—हायाघाट	श्री गुना नन्द शा, ग्राम तथा डा. मदनपुर, दरभंगा, बिहार।	—वही—
46.	—वही—	—वही—	श्री नन्दलाल शास्त्री, ग्राम महेशपट्ट, डा. पचोम, दरभंगा जिला, बिहार	—वही—
47.	—वही—	—वही—	श्री नरेन्द्र प्रसाद सिंह, ग्राम तथा डा. घोषरामा, जिला दरभंगा, बिहार।	—वही—
48.	—वही—	—वही—	श्री बदेही चौधरी, ग्राम तथा डा. पचोम, दरभंगा, बिहार।	—वही—
49.	—वही—	—वही—	श्री सत्य नारायण शा, ग्राम उगहारा, डा. नरसरा, दरभंगा, बिहार।	—वही—
50.	—वही—	—वही—	श्रो सफोउर रहमान, ग्राम सिरनियां, टोला विलासपुर, डा. हायाघाट, दरभंगा, बिहार।	—वही—
51.	—वही—	133—प्रहाडुरगंज	श्री हसीबुर रहमान, ग्राम अलटावाडी, डा. गांगीघाट, पुर्णिया जिला, बिहार।	विधि द्वारा अपेक्षित गति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
52.	—वही—	193—अस्थावां	श्री आसिक इमाम, ग्राम तथा डा. अस्थावां, नालन्दा, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
53.	—वही—	—वही—	श्री ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह ग्राम तथा नरुत, थाना अस्थावां, नालन्दा, बिहार।	—वही—
54.	—वही—	—वही—	श्री दयानन्द सिंह, ग्राम तथा डा. कालिया, थाना अस्थावां, नालन्दा, बिहार।	—वही—

1	2	3	4	5
55.	बिहार विद्यालय सभा का मानवारण विवरण, १९४५	१९३—अस्थावा	श्री नवनाथ फिल्होर प्रसाद, ग्राम अकबरपुर, डा. अस्थावा, नालन्दा, बिहार।	निर्वाचित व्यर्थों का लेखा दाखिल नहीं किया।
56.	—वही—	—वही—	श्री भूपण प्रसाद, ग्राम तथा डा. भिष्णु, नालन्दा, बिहार।	—वही—
57.	—वही—	—वही—	श्री महेश्वर महेश, ग्राम रामपुर, थाना अस्थावा, नालन्दा, बिहार।	—वही—
58.	—वही—	—वही—	श्री सुरेश नारायण सिन्हा, ग्राम अकबरपुर, डा. अस्थावा, नालन्दा, बिहार।	—वही—
59.	—वही—	—वही—	श्री हरिवंश सिंह, ग्राम तथा डा. सरमेरा, नालन्दा, बिहार।	—वही—
60.	—वही—	१९४—बिहार	श्री अर्भय कुमार, ग्राम जौफल बाजार, डा. नालन्दा, बिहार।	—वही—
61.	—वही—	—वही—	श्री नरसिंह लाल, ग्राम तथा डा. मिहृपू, थाना मनपुर, नालन्दा, बिहार।	—वही—
62.	—वही—	—वही—	मो. नसीम अख्तर, भीहल्ला खासगंज, डा. सोहसराय, नालन्दा, बिहार।	—वही—
63.	—वही—	—वही—	श्री पश्चा लाल, मोहल्ला महलपुर, बिहार नालन्दा, बिहार।	—वही—
64.	—वही—	—वही—	श्री परमेश्वर कुमार, ग्राम समस्तीपुर, डा. टंगी, नालन्दा, बिहार।	—वही—
65.	—वही—	—वही—	श्री सुभाष चन्द्र यादव, मो. खासगंज डा. सोह सराय, नालन्दा, बिहार।	—वही—
66.	—वही—	—वही—	श्री सैयद नजीम अख्तर मो. भीरदाद, डा. बिहार शरीफ, नालन्दा, बिहार।	—वही—

1	2	3	4	5
67.	बिहार विधान सभा का 197-इस्लामपुर साधारण निर्वाचन, 1985		श्री अशोक चोधरी, ग्राम काविलपुर, डा. नरसिंहपुर, थाना एहगेर सराय, नालन्दा बिहार	निर्वाचन व्यवों का लेखा दाखिल नहीं किया
68.	-वही-	-वही-	कुमार अशोक सिन्हा ग्राम चौसांदा, टोला कटरुवीचा, डा. विसायबीचा नालन्दा, बिहार	-वही-
69.	-वही-	-वही-	श्री देवेन्द्र शर्मा ग्राम छोटकी अकोरा, डा. फारस्य थाना घोसी (गया) बिहार	-वही-
70.	-वही-	197-इस्लामपुर	श्री सीताराम प्रसाद ग्राम मादीपुर, डा. तलहेड़ा, नालन्दा, बिहार	-वही-
71.	-वही-	-वही-	श्री रणजीत कुमार ग्राम तथा डा. छारियार बुजूर्ण नालन्दा बिहार	-वही-
72.	-वही-	198-हिलसा	श्री उमाशंकर प्रसाद, ग्राम तथा डा. मई, नालन्दा बिहार।	-वही-
73.	-वही-	-वही-	श्री कृष्ण मुरारी शरण, ग्राम बाजीतपुर, डा. बेस, हिलसा, बिहार	-वही-
74.	-वही-	-वही-	श्री जवाहर लाल साव, ग्राम गजेन्द्र बीघा, डा. बोडीलपुर, नालन्दा, बिहार	-वही-
75.	-वही-	-वही-	श्री बेजू प्रसाद ग्राम गजेन्द्र बीघा, वार्ड नं. 7, डा. बोडीलपुर, नालन्दा, बिहार।	-वही-
76.	-वही-	197-इस्लामपुर	श्री भूषण प्रसाद, ग्राम गुलनी, डा. बोडीलपुर, वाया हिलसा, नालन्दा, बिहार	-वही-

1	2	3	4	5
77.	बिहार विधान सभा का साधारण निर्वाचन, 1985	198-हिलसा	मो. रक्षी अहमद, ग्राम तथा डा. दियावान, नालन्दा बिहार।	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
78.	-वही-	-वही-	श्री राम कृष्ण प्रसाद, ग्राम इलीपुर, वाया एकाकार सराय, नालन्दा बिहार।	-वही-
79.	-वही-	वही-	श्री ब्रह्मदेव दास, ग्राम गारीबीधा, डा. बोडिलापुर, नालन्दा बिहार।	-वही-
80.	-वही-	-वही-	श्री शंकर प्रसाद मेन रोड, हिलसा, बिहार।	-वही-
81.	-वही-	-वही-	श्री साधु शरण सिंह, ग्राम कालियाचाक, डा. केशोपुर, बिहार।	-वही-
82.	-वही-	221-इमराब	श्री गोरीशंकर, ग्राम सिधीपुर, डा. केसाय जिला भोजपुर, बिहार।	
83.	-वही-	-वही-	श्री श्रीजाधर राय, ग्राम बालुपुर, पो. संगराब, मंगराब, जिला भोजपुर, बिहार	-वही-
84.	-वही-	-वही-	श्री सरजू सिंह, ग्राम अमसारी, डा. अमसारी जिला भोजपुर, बिहार।	-वही-
85.	-वही-	222-जगदीशपुर	श्री बबन सिंह, ग्राम दीधा टोला, डा. चाकी, भोजपुर, बिहार।	-वही-
86.	-वही-	-वही-	श्री भारकडे सिंह, ग्राम तथा डा० बहसपुर, बिहार।	-वही-
87.	-वही-	224-सहार (अ.जा.)	श्री ललन राम, ग्राम पतालपुर, डा. धानचौहान, थाना सहार, भोजपुर बिहार।	-वही-

1	2	3	4	5
88.	बिहार विधान सभा का साधारण निर्वाचन-1985	274—गाँडे	श्री महेन्द्र प्रसाद बर्मी, ग्राम तथा डा. गाँडे, गिरिछोह, बिहार।	विधि द्वारा अपेक्षित रीति से तथा समय के अंदर निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
89.	—वही—	310—सिसई (अ.ज.जा.)	श्री बनमाली भगत, ग्राम विश्रामपुर, डा. नागर, जिला गुमला, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया।
90.	—वही—	311—कोलविरा (अ.ज.जा.)	श्री जैम्स खारिया, ग्राम चिरहरा टोली, डा. हैथीटांगर, जिला गुमला, बिहार।	—वही—
91.	—वही—	—वही—	श्री मनू बरक, ग्राम दुम बारडोह, थाना कोलविरा, जिला गुमला, बिहार।	—वही—
92.	—वही—	—वही—	श्री हिलारस खारिया, ग्राम कासडेगा, डा. पन्डरीपानी, जिला गुमला, बिहार।	—वही—
93.	—वही—	313—गुमला (अ.ज.जा.)	श्री मुलेमान लाकरा, ग्राम बिरहू, डा. बिरहू, थाना कुन्ती, जिला रांची, बिहार।	—वही—
94.	—वही—	314—बिशुनपुर (अ.ज.जा.)	श्री राम नारायण खालखो, ग्राम कर्म टोली, डा. मोरहाबादी, जिला रांची, बिहार।	—वही—
95.	—वही—	316—लतेहार (अ.ज.जा.)	श्री महावीर पाहन, ग्राम मिराल, डा हरहेज, जिला पलामू, बिहार।	विधि द्वारा अपेक्षित रीति से निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।

[सं. 76/बिहार-वि. स./85]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 7th October, 1986

ORDER

O.N. 235.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (2) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge account within the time and/or in the manner, as shown in column (5) of the Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder:

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No.	Particulars of election	S. No. & Name of the Assembly Constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General election to Bihar Legislative Assembly-1985.	2-Bagha (SC)	Smt. Channa Devi, Vill. P.O. Balmiki Nagar, West Champaran, Bihar.	Account of election expenses not lodged.
2.	-do-	-do-	Sh. Yaduni Ram, Vill. Rampurnea, P.O. Balmiki Nagar, West Champaran, Bihar.	-do-
3.	-do-	3-Ramnagar	Sh. Awadesh Mishra, Vill. Bibi Bankatwa, P.O. Bhagaha, West Champaran, Bihar.	-do-
4.	-do-	-do-	Sh. Thakur PV. Yadav, Vill. Garahiya, P.O. Patihar, West Champaran, Bihar.	-do-
5.	-do-	6-Lauria	Shri Jai Prakash Prasad, Vill. & P.O. M. Ikauli, Patayali, West Champaran, Bihar.	-do-
6.	-do-	27-Basant Pur	Sh. Lallau Singh, Vill. Mohammadpur, P.O. Kalaomra, Distt. Siwan, Bihar.	-do-
7.	-do-	27-Basantpur	Sh. Grish Sah, Vill. Sipah, P.O. Sindholi, Thana-Bhawanpur, Distt. Siwan, Bihar.	Account of election expenses not lodged in the manner required by law.
8.	-do-	-do-	Sh. Jagdish Singh, Vill. Indoli, P.O. Basanpur, Thana Jami, Distt. Siwan.	-do-
9.	-do-	30-Merwa	Sh. Harendra Kumar Vill. Machkana, P.O. Machkana, Distt. Siwan, Bihar.	-do-
10.	-do-	31-Darauli	Sh. Chandrama Pandey, Vill. Ghanoti, P.O. Ghanoti, Distt. Siwan, Bihar.	-do-
11.	-do-	-do-	Sh. Hareram Kanoo Vill. Salahpur, P.O. Balla, Via Andur, Distt. Siwan.	-do-

1	2	3	4	5
12.	General election of Bihar Legislative Assembly 1985.	32-Jeera Dai-	Sh. Mohd. Mobin Vill. & P.O. Hathora, Distt. Siwan, Bihar.	Account of election expenses not lodged in the manner required by law.
13.	-do-	-do-	Sh. Rafiadin Mian, Tola Hathora Mahobul, Chapta Bujurg, Distt. Siwan, Bihar.	-do-
14.	-do-	-do-	Sh. Shankar Nath Singh, Vill. P.O. Alapur, Distt. Siwan, Bihar.	-do-
15.	-do-	-do-	Sh. Shyam Bihari Gour, Vill. Narauli, Bihar.	-do-
16.	-do-	84-Manigachhi	Sh. Brahmdeo Singh, Vill. P.O. Katma Bayhai, Via. Manigachhi, Darbhanga, Bihar.	-do-
17.	-do-	85-Behera	Sh. Devendra Jha, Vill. P.O. Pohaddi, Thana Behera, Darbhanga, Bihar.	-do-
18.	-do-	-do-	Sh. Rajendra Jha, Vill. P.O. Mahinam, Darbhanga, Bihar.	-do-
19.	-do-	-do-	Sh. Ram Lakhan Yadav, Vill. P.O. Sitaram, Thana Behera, Darbhanga, Bihar.	-do-
20.	-do-	86-Ghanshyampur	Sh. Aminuddin, Vill. P.O. Gonaun, Darbhanga, Bihar.	-do-
21.	-do-	-do-	Sh. Fazlu Rahman, Vill. Baghrasi, P.O. Katharam, Thana-Jamalpur, Darbhanga, Bihar.	-do-
22.	-do-	-do-	Sh. Motiur Rahman, Vill. P.O. Nari, Via-Behipur, Thana-Ghanshyampur, Darbhanga, Bihar.	-do-
23.	-do-	-do-	Sh. Ram Kishore Jha, Vill. P.O. Uttari, Kasrawi, Darbhanga, Bihar.	-do-
24.	-do-	-do-	Sh. Subudh Narain, Vill. P.O. Rauhar Darbhanga, Bihar.	-do-
25.	-do-	87-Baheri	Sh. Jaffar, Vill. Chakgangam Chakka, P.O. Jorja, Darbhanga, Bihar.	-do-
26.	-do-	-do-	Sh. Ram Parkash Yadav, Thana- Baheri, Darbhanga, Bihar.	-do-

1	2	3	4
27.	General election to Bihar Legislative Assembly-1985.	87-Bihari	Sh. Vinod Kumar Singh, Vill. P.O. Harlacha, via-Anand Pur, Darbhanga, Bihar. Account of election expenses not lodged in the manner required by law.
28.	-do-	-do-	Sh. Shiv Shankar Choudhary, Vill. P.O. Pokharam, Anchal Viraul, Darbhanga, Bihar. -do-
29.	-do-	88—Darbhanga Rural (SC)	Sh. Mahadeo Chaudhary Mohalla-Lakshmisagar, P.O. Lalbagh, Darbhanga, Bihar. -do-
30.	-do-	89—Darbhanga	Sh. Amit Kumar Sinha, Moh. P.O. Kathalbari, Darbhanga, Bihar. -do-
31.	-do-	-do-	Sh. Chandra Mohan Pandey, Moh. Newja Harimitag, Lalbagh, P.O. Lalbagh, Darbhanga, Bihar. -do-
32.	-do-	-do-	Sh. Mazrool Haque, Moh. Bhalluka, P.O. Distt. Darbhanga, Bihar. -do-
33.	-do-	-do-	Sh. Jiwachh Mahto, Moh. Mishriganj, P.O. Distt. Dharbhanga, Bihar. -do-
34.	-do-	-do-	Md. Mumtaz, Moh. Alalpatti, P.O. D.M.C.H., Laheriasarai, Dharbhanga, Bihar. -do-
35.	-do-	-do-	Sh. Vimlandu Pd. Singh, Vill. Ahila, P.O. Singuara, Dharbhanga, Bihar. -do-
36.	-do-	-do-	Sh. Vinay Kumar Varma, Moh. Sarfuddin, Shiwanagar, P.O. Distt. Darbhanga, Bihar. -do-
37.	-do-	90—Kewta	Sh. A. Ansari, P.O. Vill. Arai, Burdipur, Darbhanga, Bihar. -do-
38.	-do-	-do-	Sh. Madan Mohan Jha, Vill. Tektar, P.O. Madhupur, Darbhanga, Bihar. -do-
39.	-do-	-do-	Sh. Ram Brksh Yadav, Vill. P.O. Madhopatti, Darbhanga, Bihar. -do-
40.	-do-	-do-	Sh. Wasi Alam, Vill. Sundarpur, P.O. Kharua, Darbhanga, Bihar. -do-
41.	-do-	-do-	Sh. Sachida Nand Chaudhary, Vill. Ranipur, P.O. Basudeopur, Birha, Dist. Darbhanga, Bihar. -do-

1	2	3	4	5
42.	General election to Bihar Legislative Assembly 1985	91—Lale	Sh. Moh. Abrar Vill. P.O. Massd, Via-Va'shata Chandpur, Distt. Darbhanga, Bihar.	Account of election expenses not lodged in the manner required by law.
43.	-do-	-do-	Sh. Doman Thakur, Vill. P.O. Massa, Distt. Darbhanga, Bihar.	-do-
44.	-do-	-do-	Sh. Suresh Pd. Singh Vill. P.O. Jogiara, Darbhanga, Bihar.	-do-
45.	-do-	92—Hayaghat	Sh. Gunanand Jha, Vill. P.O. Madanpur, Distt. Darbhanga, Bihar.	-do-
46.	-do-	-do-	Sh. Nandlal Shastri, Vill. Maheshpatti, Distt. Darbhanga, P.O. Panchobh, Bihar.	-do-
47.	-do-	-do-	Sh. Narendra Pd. Singh, Vill. P.O. Ghoshrama, Distt. Darbhanga, Bihar.	-do-
48.	-do-	-do-	Sh. Ram Vadeh Chaudhary, Vill. P.O. Panchobh, Darbhanga, Bihar.	-do-
49.	-do-	-do-	Satya Narain Jha, Vill. Ugharo, P.O. Narsara, Darbhanga, Bihar.	-do-
50.	-do-	-do-	Sh. Saifur Rahman, Vill. Sirsyan, Tola B'laspur, P.O. Hayaghat, Darbhanga, Bihar.	-do-
51.	-do-	133—Bahadurganj	Sh. Has'bur Rahman, Vill. Alta bari. P.O. Gangihat, Distt. Purnea, Bihar.	Failed to lodge the account in the manner required by law.
52.	-do-	193—Asthawan	Sh. Ass'q Imam, Vill. P.O. Asthawan, Nalanda, Bihar.	Account of election expenses not lodged.
53.	-do-	-do-	Sh. Gyaneshwar Pd. Singh, Vill. P.O. Narut, P.S. Asthawan, Nalanda.	-do-
54.	-do-	-do-	Sh. Dayanand Singh, Vill. P.O. Kaila, P.S. Asthawan, Nalanda, Bihar.	-do-
55.	-do-	-do-	Sh. Nawal Kishore Pd., Vill. Akbarpur, 1 P.O. Asthawan, Nalanda, Bihar.	-do-
56.	-do-	-do-	Sh. Bhushan Prasad, Vill. P.O. Bind, Nalanda, Bihar.	-do-
57.	-do-	-do-	Sh. Maksudan Mahtta, Vill. Rampur, P.S. Asthawan, Nalanda, Bihar.	-do-

1	2	3	4	5
58.	General election to Bihar Legislative Assembly 1985.	193-Asthawan	Sh. Suresh Narain Singh, Vill. Akbarpur, P.O. Asthawan, Nalanda, Bihar.	Account of election expenses not lodged.
59.	-do-	-do-	Sh. Haribansh Singh, Vill. P.O. Sarmera, Nalanda, Bihar.	-do-
60.	-do-	194-Bihaa	Sh. Abhai Kumar, Vill. Juafan Bazar, P.O. Nalanda, Bihar.	-do-
61.	-do-	-do-	Sh. Nar singh Lal, Vill. P.O. Singthu, Thana Manpur, Nalanda, Bihar.	-do-
62.	-do-	-do-	Md. Nasim Akhtar, Moh. Khasganj P.O. Sohsarai, Nalanda, Bihar.	-do-
63.	-do-	-do-	Sh. Panna Lal, Moh. Mahalpar, Biharsharief, Nalanda, Bihar.	-do-
64.	-do-	-do-	Sh. Parmeshwar Kumar, Vill. Samasti, P.O. Tungi, Nalanda, Bihar.	-do-
65.	-do-	-do-	Sh. Subash Chandra Yadav, Moh. Khasganj, P.O. Sohsarai, Nalanda, Bihar.	-do-
66.	-do-	-do-	Syed Nazim Akhtar, Moh. Mirdad, P.O. Biharsharief, Nalanda, Bihar.	-do-
67.	-do-	197- Islampur	Sh. Ashok Choudhary, Vill. Kadipur, P.O. Narsingpur, P.S. Khanger Sarai, Nalanda, Bihar.	-do-
68.	-do-	-do-	Sh. Kumar Ashok Sinha, Vill. Chousada, Tola, Katrubigha, P.O. Visaibigha, Nalanda, Bihar.	-do-
69.	-do-	-do-	Sh. Davendra Sharma, Vill. Chhotki Akoura, P.O. Pharthu, P.S. Ghosi, (Gaya)	-do-
70.	-do-	-do-	Sh. Sita Ram Prasad, Vill. Mohdipur, P.O. Telhara, Nalanda.	-do-
71.	-do-	-do-	Sh. Ranjit Kumar, Vill. P.O. Chbariyari Bugurg, Nalanda, Bihar.	-do-

1	2	3	4	5
72.	General election to Bihar Legislative Assembly 1985.	198- Hilsa	Sh. Umashankar Pd. Vill.-P.O. Mai, Nalanda, Bihar.	Account of election expenses not lodged.
73.	-do-	-do-	Sh. Krishnmurari Sharan, Vill. Vajitpur, P.O. Beru, Hilsam, Bihar.	-do-
74.	-do-	-do-	Sh. Jawahar Lal Sao, Vill. Gajendra Bigha, P.O. Vodilapur, Nalanda, Bihar.	-do-
75.	-do-	-do-	Sh. Baiju Prasad, Vill. Gajendra Bigha, Ward No. 7, P.O. Vodilapur, via-Hilsa, Nalanda.	-do-
76.	-do-	-do-	Sh. Bhushan Prasad, Vill. Gulni, P.O. Vodilapur, via— Hilsa, Nalanda.	-do-
77.	-do-	-do-	Md. Rafi Ahmad, Vill.-P.O. Diawan, Nalanda.	-do-
78.	-do-	-do-	Sh. Ram Krishna Prasad, Vill. Elipur, Via-Ekgarsarai, Nalanda, Bihar.	-do-
79.	-do-	-do-	Sh. Varhmdeo Dass, Vill. Garibgha, P.O. Vodilpur, Nalanda.	-do-
80.	-do-	-do-	Sh. Shankar Prasad, Main Road, Hilsa, Bihar.	-do-
81.	-do-	-do-	Sh. Sadhu Saran Singh, Vill. Kalia Chak, Post.— Keshopur, Bihar.	-do-
82.	-do-	221- Dumraon	Sh. Gauri Shankar, Vill. Sidhipur, P.O. Kesath, Distt. Bhojpur, Bihar.	-do-
83.	-do-	-do-	Sh. Bijadhar Rai, Vill. Barupur, P.O. Sagrav Magrav, Distt. Bhojpur, Bihar.	-do-
84.	-do-	-do-	Sh. Sarjoo Singh, Vill. Amsari, P.O. Amsari, Distt. Bhojpur, Bihar.	-do-

1	2	3	4	5
85.	Generalelection to Bihar Legislative Assembly 1985.	222-Jagdishpur	Sh. Baban Singh, Vill. Digha Tola, P.O. Chakal, Bhojpur, Bihar.	Account of election expenses not lodged.
86.	-do-	-do-	Sh. Markande Singh, Vill.-P.O. Brahmpur, Bihar.	-do-
87.	-do-	224-Sahar (ST)	Sh. Lallan Ram, Vill. Patalpur, P.O. Dhanchvuhan, P.S. Sahar, Bhojpur, Bihar.	-do-
88.	-do-	274-Gande	Sh. Mahendra Prasad Verma, Vill. & P.O. Gande, Giridih, Bihar.	Account of election expenses not lodged within the time and in the manner required by law.
89.	-do-	310-Sisai (ST)	Sh. Banmali Bhagat, Vill. Vishrampur, P.O. Nagar, Distt. Gumla, Bihar.	Account of election expenses not lodged.
90.	-do-	311-Kolebira (ST)	Sh. Jmesh Kharia, Vill. Chithra Toli, P.O. Rangarih, P.S. Hethaitanagar, Distt. Gumla, Bihar.	-do-
91.	-do-	-do-	Sh. Manu Braik, Vill. Dumbardih, P.S. Kolebira, Distt. Gumla, Bihar.	-do-
92.	-do-	-do-	Sh. Hilarus Kharia, Vill. Kasdega, P.O. Pandripani, Distt. Gumla, Bihar.	-do-
93.	-do-	313-Gumla (ST)	Sh. Suleman Lakra, Vill. Birhu, P.S. Kunti, Distt. Ranchi, Bihar.	-do-
94.	-do-	314-Bishnupur (ST)	Sh. Ram Narayan Khalkho, Vill. Karamtoli, P.O. Morhabadi, Distt. Ranchi, Bihar.	-do-
95.	-do-	316-Latchar (SC)	Sh. Mahavir Pahan, Vill. Meral, P.O. Herhej, Distt. Palamu, Bihar.	Account of election expenses not lodged in the manner required by law.

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1986

आदेश

आ.अ. 236:— निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट लोक सभा के साधारण निर्वाचन के लिये, जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्विष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वीन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित रूप से उक्त सारणी स्तम्भ (5) में यथा उपदर्शित रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्तर्गत और/अथवा अपेक्षित रूप से वाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अध्यर्थियों ने सम्पूर्ण सूचना दिये जाने पर भी उक्त असफलता के लिये या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिये गये अध्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है,

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट अविक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम संख्या निर्वाचन का विवरण	संसदीय सभा निर्वाचन-क्षेत्र की	निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी	निरहित का कारण
क्रम संख्या और नाम		का नाम और पता	
1	2	3	4

1. बिहार राज्य से लोक सभा का साधारण निर्वाचन, 1984।	24—पूर्णिया	श्री रसिक किशकु, ग्राम-पो, बड़डेला, जिला पूर्णिया, बिहार।	निर्वाचन व्ययों का लेखा सीति से तथा समय के अन्दर दाखिल नहीं किया है।
---	-------------	---	--

[म. 76/बिहार-लो. म./85]

New Delhi, the 7th November, 1986

ORDER

O.N. 236:—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the General election to the House of the People as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and/or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. Particulars of election No.	S. No. & Name of the Parliamentary Constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4
1. General Elections to the House of the People, 1984 (Bihar State)	24—Purnea Parliamentary Constituency	Shri Rasik Kishaku, Vill. C.P.O. Bardela, Distt. Purnea, Bihar.	Account of election expenses not ledgered within the time and in the manner required by law.

[No. 76/BR-HP/85]

आदेश

आ. अ. 237 :—निर्वाचित आयोग का समाप्ति हो गया है कि नीचे को सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट पश्चिम बंगाल राज्य से लोक सभा के साधारण निर्वाचन 1984 के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्धन बनाए गए नियमों द्वारा प्रतेकित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपदर्शित रूप में अपने निर्वाचित व्ययों का लैखा समय के अन्तर्गत और अथवा अधिकतम रीति से दाखिल करते में असफल रहा है।

और उक्त अध्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उसके द्वारा दिए गए अध्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाप्ति हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है,

अतः अब, निर्वाचित आयोग उक्त अधिनियम का धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य संघराज्य क्षेत्र की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम निर्वाचित का विवरण संख्या	संसदीय निर्वाचित क्षेत्र की क्र० सं० और नाम	निर्वाचित लड़ने वाले अध्यर्थी का नाम और पता		
1	2	3	4	5
1. लोक सभा का साधारण निर्वाचन, 1984	29-पंसकुरा	श्री देवराज शरण, ग्रा. सीतलपुर, पो. पाथरपारा, जिला मिदनापुर (पश्चिम बंगाल)	निर्वाचित व्ययों का कोई भी नेबा दाखिल नहीं किया।	
2. —वहो—	31—कान्टाई	श्री अरबिन्दा मन्ना, ग्रामा उत्तर दौरा, पो. दौरा, जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	—वहो—	
3. —वहो—	32—मिदनापुर	श्री शशोक चन्द्रा देय, मुन्शीपटना, पो. पंचखुरी, जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	—वहो—	
4. —वहो—	—वहो—	श्री अब्बदुल रहीम, भोबनीपुर, पो. खारगापुर, जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	—वहो—	
5. —वहो—	32—मिदनापुर	श्री गौर हरी भट्टाचार्य बांकसी बाजार, पो. तथा जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	—वहो—	
6. —वहो—	—वहो—	श्री तरक दास दस्ता, नुतन बाजार, पो. तथा जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	—वहो—	

1	2	3	4	5
7.	लोक सभा का सांश्दरण निर्वाचन, 1984	33 पाइपलास (अ.ज.आ.)	श्री चंद्रराई हन्सदा, सी०प००प्राई०(एम०)फाफिल, धोरघरा, पो. लाड ग्राम, जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया।
8.	—वही—	—वही—	श्री नित्यानन्द मौरा, ग्रामा बिदरी, पो. बनसपाहारी, जिला मिदनापुर, (पश्चिम बंगाल)	—वही—

[स. 76 /प. वं.-ल०. स. /85]

ORDER

O. N. 237 :—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the general election to the House of the people 1984 as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodged an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and or in the manner, as shown in column (5) of the said Table required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No.	Particulars of election	S.No. & Name of the Parliamentary Constituency	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General election to the House of the People, 1984.	9-Panskura	Shri Dubraj Saren, Vill. Sitalpore, P.O. Patharpur, Distt. Midnapore (West Bengal)	Failed to lodge any account
2.	-do-	31-Contai	Ah. Arbinda Manna, Vill. Uttar Darua, P.O. Darua, Dist. Midnapore (West Bengal)	-do-
3.	-do-	3 -Midnapore	Sh. Ashoke Chandra Dey, Munshipatna, Dist. Midnapore, (West Bengal)	-do-
4.	-do-	-do-	Sh. Abdul Rahim Bhobanipur, P.O. Kharagpore, Dist. Midnapore, (West Bengal)	-do-
5.	-do-	-do-	Sh. Gour Hari Bhattacharya, Boxibazar, P.O. & Dist. Midnapore, (West Bengal)	-do-

1	2	3	4	5
6.	General Election to the House of the people, 1984	32-Midnapore	Sh. Tarek Das Dutta, Nutanbazar, P.O. & Distt. Midnapore, (West Bengal)	Failed to lodge any account.
7.	-do-	33-Thargram (ST)	Sh. Chandrai Hansda CPI(M) Office, Ghoradvara, P.O. Jhargram, Dist. Midnapore, (West Bengal)	-do-
8.	-do-	-do-	Sh. Nityananda Mura, Vill. Bidri, P.O. Banspahari, Dist. Midnapore, (West Bengal)	-do-

[No. 76/WB-HP/85]

आदेश

आ.आ. 238:—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि सन, 1985 में पश्चिम बंगाल विधान सभा के लिए हुए उप-निर्वाचन में 220-गढ़बेटा पूर्व निर्वाचन-क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी श्री जाहर लाल सामुई, गाँधी और श्री. धोशकिरा, जिला मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) नोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित भ्रपते निर्वाचन व्ययों का कोई भी लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और उक्त अध्यर्थी ने, उसे सम्बन्धित सूचना दिए जाने पर भी, भ्रपते इस असफलता के लिए कोई कारण भ्रपता स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास ऐसी असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है।

अतः अब, निर्वाचन आयोग, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसार में उक्त श्री जाहर लाल सामुई को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा भ्रपता विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/प. ब.-वि., स./85]

[No. 76/WB-LA/83]

आ.आ. 239:—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट विधान सभा के साधारण / उप-निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपर्याप्त रूप में भ्रपते निर्वाचन व्ययों का लेखा या लेखा नमय के अन्तर्गत और अथवा अपेक्षित रीति से दाखिल करने में असफल रहा है,

और उक्त अध्यर्थियों ने सम्बन्धित सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण भ्रपता स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अस्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसार में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की विधान सभा भ्रपता विधान परिषद् के सदस्य हुने जाने और होने के लिए आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

ORDER

O.N. 238.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Jahar Lal Samuni, Village and Post Office Ghoshkira, Distt. Midnapore, West Bengal, a contesting candidate for the bye-election to the Legislative Assembly of West Bengal from 220-Garhbeta (East) Assembly Constituency, held in 1985 has failed to lodge an account of his election expenses as required by the Representation of the People Act, 1951, and the Rules made thereunder;

And, whereas the said candidate, even after due notice has not given any reason or explanation for the failure and the Election Commission is further satisfied that he has not good reason or justification for such failure.

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Jahar Lal Samui, to be disqualified for being chosen as, and for being, a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of three years from the date of this order.

सारणी

क्रम संख्या निवाचन का विवरण		विधान सभा निवाचना धेर को	निवाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम और पता	निरहंता का कारण
क्रम संख्या		3	4	5
1	2			
1.	बिहार विधान सभा का माध्यारण निवाचन, 1985	28—गोरिया कोठो	श्री इयामदेव राय, ग्राम बलुआ, पो. आ. प्रतापपुर, जिला विधान, बिहार।	निवाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफलता।
2.	--वही--	46—राधोपुर	श्री भूपेन्द्र नारायण यादव गांव भोइनपुर ईसार, पो. आ. राजासन, जिला वैशाली, बिहार।	निवाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रोति से दाखिल करने में असफलता।
3.	--वही--	58—सकरा (आ.जा.)	श्री सद्गुरु नासवान, गांव सुजावलपुर, पो. आ. घोलो, जिला मुजफ्फरपुर, बिहार।	निवाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफलता।
4.	--वही--	65—चैतसंह	श्री शिव शंकर तिह, गांव बिशुनपुर चिन्दा, पो. आ. छत्तीनी, जिला सतामढी, बिहार।	--वही--
5.	--वही--	116—सिंधेश्वर	श्री रामजी अधिदेव, ग्राम तथा पो. आ. मोनबरसा, जिला मध्यपुरा, बिहार।	--वही--
6.	--वही--	--वही--	श्रो विजेन्द्र सिंह, गांव तथा पो. आ. ओराई एक परहा, जिला मध्यपुरा, बिहार।	--वही--
7.	--वही--	135—किशनगंज	श्रा अकब्द दास, गांव भोपला कोउओरा, पो. आ. हुलताहत, जिला पूर्णिया, बिहार।	निवाचन व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रोति से तथा समय के अन्दर दाखिल करने में असफलता।
8.	--वही--	145—प्राणपुर	श्री असरफुल हक चौधरी, गांव मनोहरपुर, हाट बरोल, गांव टेनीर, जिला कटिहार, बिहार।	निवाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफलता।

1	2	3	4	5
9.	बिहार विधान सभा का साधारण नियंत्रितन, 1985	345—प्राणपुर	श्री जमुना प्रमाद गुप्ता, गांव तथा पो. आ. रोमना, जिला कटिहार, बिहार	नियंत्रित व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफलता
10.	--वही--	--वही--	श्री नन्द लाल एम. गांव खौजारी हाट, डा० विल्सी दिवानगंगा, जिला कटिहार, बिहार	--वही--
11.	--वही--	--वही--	श्री अम्बुल मध्यान, गांव तथा डा. नेमल जिला कटिहार, बिहार	--वही--
12.	--वही--	--वही--	श्री राजेन्द्र पाण्डे, गांव पुरानी जूटमिल, डा. दहारिया मिल, जिला कटिहार, बिहार	--वही--
13.	--वही--	--वही--	श्री रामानन्द सिंह गांव चन्दवा डा. सूपसपुर, जिला कटिहार, बिहार	--वही--
14.	--वही--	--वही--	श्री नगेन्द्र आजाद, गांव तथा डा. आजमनगर, जिला कटिहार, बिहार	--वही--
15.	--वही--	--वही--	श्री नरेश कुमार महतो, गांव गढ़ी बिशुनपुर, डा. गढ़ी बिशुनपुर, लखीसराय, जिला मुगेर, बिहार	--वही--
16.	--वही--	189—सिकन्दरा (अ.ज.)	श्री रामलखन पासवान, गांव सिकन्दरा, पो.आ. टेटरहाट, जिला मुगेर बिहार	नियंत्रित व्ययों का लेखा विधि द्वारा अपेक्षित रोति से तथा समय के अन्दर दाखिल करने में असफलता
17.	--वही--	192—बरबीषा (अ.ज.)	श्री परमानन्द पासवान, गांव रामपुर, डा. बरबीषा, मुगेर, बिहार	--वही--
18.	बिहार विधान सभा का उपनियंत्रितन, 1984	210—मनेर	प्रो. सूर्यदेव त्यागी, गांव नाथीलोटा, डा. छिह्नाटर, पटना, बिहार	--वही--
19.	बिहार विधान सभा का साधारण नियंत्रितन, 1985	238—औरंगाबाद	श्री सुरेन्द्र सिंह, गांव भद्रेई खुद, डा. दोसाथा, जिला तथा डा० औरंगाबाद, बिहार	--वही--

1	2	3	4	5
20.	बिहार विधान सभा का माध्यारंण निवाचन, 1985.	259—गोदिन्दपुर	मौ. मुख्तार, गांव सास्ती, डा. तथा याना कोवाकोल जिला नवादा, बिहार	निर्वाचन व्ययों का कोई भी ले खा दाखिल करने में असफलता
21.	—वही—	273—जामुआ (प्र.जा.)	श्री जगदीश बैठा, गांव तथा डा. बारिदीह, गिरिडीह, बिहार	—वही—
22.	—वही—	283—निरसा	श्री यदुनन्दन महतो, गांव शिवालीबाड़ी, पो. कुमारघुबी, जिला घनेवाड, बिहार	—वही—

[सं. 76/बिहार-वि. स./85)]

ORDER

O.N.239.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidate specified in column (4) of the Table below at the general election/bye-election to Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge an account of his election expenses or failed to lodge the account within the time and/or in the manner, as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representations made by them, if any is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State/Union Territory for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No.	Particulars of election	S.No. & Name of the Assembly Constituency.	Name & Address of the contesting candidate	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Elections to Bihar Legislative Assembly, 1985	28-Goreakothi	Sh. Shyamdeo Rai Vill. Balua, P.O. Pratappur, (Bihar) Distt. Siwan.	Account of election expenses not lodged.
2.	-do-	46-Raghupur	Sh. Bhupendra Narayan Yadav, Vill. Mohanpur, Isar, P.O. Rajasan, Distt. Vaishali, Bihar.	Account of election expenses not lodged in the manner required by law.
3.	-do-	58-Sakra (SC)	Sh. Shatrughan Paswan, Vill. Sujawalpur, P.O. Dholi, Distt. Muzaffarpur, Bihar.	Account not lodged.
4.	-do-	65-Belsand	Sh. Shiv Shankar Singh, Vill. Bishunpur Bindi, P.O. Chhatauni, Distt. Sitamarhi, Bihar.	-do-
5.	-do-	116-Singhashwar	Sh. Ramji Rishideo, Vill. & P.O. Sonbarsa, Distt. Madhepura, Bihar.	-do-
6.	-do-	-do-	Sh. Bijendra Singh, Vill & P.O. Aurahi Ekparha, Distt. Madhepura, Bihar.	-do-

1	2	3	4	5
7.	General Election of Bihar Legislative Assembly, 1985	135-Kishanganj	Sh. Awadh Das, Vill. Bhopla Kouaura, P.O. Altahat, Distr. Purnea, Bihar.	Account not lodged within time and in the manner required by law.
8.	-do-	145-Pranpur	Sh. Asifur Haque Chaudhary, Vill Manoharpur, Hat Baraul, P.O. Tengor, Distr. Katihar, Bihar.	Account not lodged.
9.	-do-	-do-	Sh. Jamuna Prasad Gupta, Vill. P.O. Roshna, Distr. Katihar, Bihar.	-do-
10.	-do-	-do-	Sh. Nand Lall M. Vill Khojari Hat, P.O. Dilli Dewanganj, Distr. Katihar, Bihar.	-do-
11.	-do-	-do-	Abdul Mannan, Vill. & P.O. Nemel, Distr. Katihar, Bihar.	-do-
12.	-do-	-do-	Sh. Rajendra Pandey, Vill. Old Jute Mill, Distr. Katihar, Bihar.	-do-
13.	-do-	-do-	Sh. Rama Nand Singh, Vill. Chandana, P.O. Rupaspur, Distr. Katihar, Bihar.	-do-
14.	-do-	-do-	Sh. Nagendra Azad, Vill. & P.O. Azamnagar, Distr. Katihar, Bihar.	-do-
15.	-do-	187-Surajgarh	Sh. Naresh Kumar Mahto Vill. Garhi Bishnupur, PO. Garhi Bishnupur, Lakhisarai, Distr. Munghyr, Bihar.	-do-
16.	-do-	189-Sikandra (SC)	Sh. Ram Lakhan Paswan, Vill Sikandra, P.O. Tetarhat Distr. Munghyr, Bihar.	Failed to lodge the account within the time and in the manner required by law.
17	-do-	192-Barbigha (SC)	Sh. Parmanand Paswan Vill. Rampur, P.O. Barbigha, Munghyr, Bihar.	-do-
18.	Bye-election to Bihar Legislative Assembly 1984	210-Maner	Prof. Surya Deo Tyagi, Vill. Nathi Lota, P.O. Chhikhatar, Patna, Bihar.	-do-
19.	General Elections to Bihar Legislative Assembly, 1985	238-Autangabad	Sh. Surender Singh, Vill. Badholi Khurd, P.O. Dosabha, Distt. & P.S. Aurangabad, Bihar.	-do-
20.	-do-	259-Gobindpur	Md. Mukhtar, Vill. Saruni, P.O. & P.S. Kawakole, Distr. Nawada, Bihar.	Failed to lodge any account of election expenses.
21.	-do-	273-Jamua (SC)	Sh. Jagdish Baitha, Vill & P.O. Baridih, Giridih, Bihar.	-do-
22.	-do-	283-Nirsa	Shri Yadunandan Mehta, Vill. Shivallibari, P.O. Kumardhubi, Distr. Dhanbad, Bihar.	-do-

[No. 76/BR-LA/85]

आदेश

प्रा. अ. 240.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि मई, 1984 में हुए उत्तर प्रदेश विधान सभा के उप-निर्वाचन के लिए 99-मलिहाबाद (अ.जा.) निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी श्री भाई लाल, शोब-सलामोंगढ़ी डाकघर काकोरी, जिला-सख्तनऊ (उ.प्र.) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और तदेन बनाए गए नियमों द्वारा यथा अपेक्षित अपने निर्वाचन अवयों का कोई भी सेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और उक्त अध्यर्थी ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टोकरण नहीं दिया है, या उनके द्वारा लिए गए अध्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं हैं,

अतः अब, निर्वाचन आयोग, उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में, उक्त श्री भाई लाल को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आवेदन की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. उ. प्र.-वि. स./99/84(उप.)]

ORDER

O.N. 240.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Bhai Lal, Village Salamigarhi, P.O. Kakori, District Lucknow (U.P.) a contesting candidate for bye-election to the Uttar Pradesh Legislative Assembly held in May, 1984 from 99-Malihabad (SC) constituency has failed to lodge an account of his election expenses at all as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas the said candidate has either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission or after considering the representation made by him, if any, is satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, In pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the said Shri Bhai Lal to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

[No. U.P.-LA/99/84-(Bye.)]

आदेश

प्रा. अ. 241.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट लोक सभा के लिये उप-निर्वाचन, 1985 के लिये जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदर्थीन बनाए गए नियमों द्वारा उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपदर्शित रूप में अपने निर्वाचन अवयों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं,

और उक्त अध्यर्थी ने सम्यक स्तब्दोकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अध्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायोचित नहीं हैं;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट अवधितयों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश को तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित करता है:—

क्रम सं.	निर्वाचन की विशिष्टियां निर्वाचन क्षेत्र को क्रम संख्या एवं नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी का नाम व पता	निरहित का कारण
1	2	3	4
1.	लोक सभा के लिए उत्तर प्रदेश राज्य से उप-निर्वाचन, 1985	5.—विजनौर (अ.जा)	श्री आनन्द स्वरूप ग्राम—खानपुर, पोस्ट —नांगल (सोतों)
2.	—वही—	—वही—	श्री जगदीश तरन, ग्राम व पो. —चुवाला कलां जिला मुरादाबाद (उ.प्र.)
3.	—वही—	—वही—	श्रीचार्य प्रतीयादास उर्फ पी. डी. गौतम, मं. नं. 1, इन्दिरानगर (मुकरपुरखेमा) उर्फ बुखारा जिला विजनौर (उ.प्र.)

[सं. उ. प्र.-लो. स. /5/86(उप.)]

आदेश से,
मुख्यमंत्री प्रसाद, अध्यक्ष सचिव

ORDER

O.N. 241.—Whereas the Election Commission is satisfied that the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the Bye-election to the House of the People, 1985 as specified in column (2) held from the constituency specified in column (3) against their names have failed to lodge the account of their election expenses as shown in column (5) of the said Table, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representation made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be, disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S.No.	Precursors of election	S.No. and name of constituency	Name & Address of the Contesting Candidates	Reason for disqualification
1	2	3	4	5
1.	Bye-election to the Lok Sabha, 1985 in the State of U.P.	5-Bijnor (SC)	Sh. Anind Swarup, Vill-Khanpur, P.O. Nangal (Sotl), Distt. Bijnor (UP)	Failed to lodge any account of election expenses.
2.	-do-	-do-	Sh. Jagdish Siran, Vill. & P.O. Chuzhalia Kalan, Distt. Moradabad (U.P.)	-do-
3.	-do-	-do-	Asharya Pritamdas alias P.O. Gautam, H. No. 1, Indira Nagar (Mukharpur Khama) alias Bukhara, Bijnor (U.P.)	-do-

[No. UP-HP/5/86(Bye)]

By Order,

S.D. PERSHAD, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 1986

आदेश

आ.अ. 241.—निवाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे के सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिविष्ट मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए साधारण निवाचन 1985 के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिविष्ट निर्वाचन-शेष से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिविष्ट निवाचन सड़ने वाला अध्यक्षी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 द्वारा उस सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपलब्धित रूप में अपने निवाचन व्यर्थों का सेवा वालिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अध्यक्षियों ने गम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्ट कारण नहीं दिया है या उसके द्वारा दिए गए अध्यावकन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निवाचन आयोग वा यह समाधान हो गया है कि उसके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायीकरित्य नहीं है;

अतः अब, निवाचन आयोग उक्त अधिनियम का द्वारा 10-के के अनुसरण में भीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिविष्ट व्यक्ति को गोपन के किसी सा मूल के या किसी चाज्य की विवाद सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश की तारीख से सीन अर्थ की कलाकारी के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम संख्या	निवाचन विशिष्टियाँ	निवाचन क्षेत्र की क्रम संख्या तथा नाम	निवाचन लड़ने वाले अध्यक्षियों का नाम व पता	निरहित का कारण
1	2	3	4	5
1	मध्य प्रवेश विधान सभा के लिए नामांकन निवाचन, 1985	50—महाराजपुर (अ.जा.)	श. लक्ष्मा, अम्हारी अहाकुरज, रामनगर, जिला-छत्तीसगढ़ (म. प.)	निवाचन व्यर्थों का कोई भी सेवा दायित्व नहीं किया

1	2	3	4	5
2.	मध्य प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्बाचन 1985.	80—उमरिया	श्री तारा चन्द्र, ग्राम—देवगवां, आक—अमरपुर, जिला—शहडोल (म.प्र.)	निर्वाचन व्यर्थों का कोई भी जोखा दाखिल नहीं हिया।
3.	—पह—	—पह—	श्री मरेन्द्र नारायण शीधिल पौर वार्ड सं. 7, उमरिया, जिला—शहडोल (म.प्र.)	—पह—
4.	—पह—	—पह—	श्री वरेन्द्र कुमार, उमरिया, जिला—शहडोल (म.प्र.)	—पह—
5.	—पह—	83—कोतमा (अ.ज. जा.)	श्री ठाकुरदीन कमर मु. —खाड़ा, आक—खोला, जिला—शहडोल (म.प्र.)	—पह—
6.	—पह—	95—अमिकापुर (अ.ज.जा.)	श्री देव नारायण, आमन्साटार, आक—जमगला, जिला—सरगुजा (म.प्र.)	—पह—
7.	—पह—	—पह—	श्री सुमेर सिंह, ग्राम—कोणापुर, आक—राघवपुरी	—पह—
8.	—पह—	225—सिवनी	जिला—सरगुजा (म.प्र.)	—पह—
9.	—पह—	267—उज्जैन दक्षिण	श्री शिव लीबंशी मु. पो. —बिसीनी कलां, सह. —सिवनी मालवा (म.प्र.)	—पह—
			श्री नरेन्द्र कुमार गोधा, 36—बज्जावर मार्ग, फरांज, उज्जैन (म.प्र.)	—पह—

[S. 76 /म.प्र.—वि.स./85 (10)]

New Delhi, the 7th November, 1986

ORDER

O.N. 242.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the General Election to the Madhya Pradesh Vidhan Sabha, 1985 as specified in column (2) held from the constituency specified in column 3 against his name has failed to lodge the account of their election expenses as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act 1951 and the Rules made thereunder;

And whereas the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the Representations made by them, if any, is satisfied that he had no good reason or justification for said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being a member of either house of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S.No.	Particulars of election.	S.No. and name of Constituency	Name & address of the Contesting Candidates	Reason of Disqualification.
1	2	3	4	5
1.	General Election to the M.P. Legislative Assembly, 1985.	50—Maharajpur (SC)	Sh. Lachhia, Bambori Bahadurjoo, Post. Maneya, Distt. Chhattarpur, (M.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
2.	-do-	80—Umaria	Sh. Tara Chandra, Vill. Debgavan, Post. Amerpur, Distt. Shahdol (M.P.)	-do-
3.	-do-	-do-	Sh. Narendra Naryan Dixit, Camp Ward No.7, Umaria, Distt. Shahdol (M.P.)	-do-

1	2	3	4	5
4.	General Election to the M.P. Legislative Assembly, 1985.	80-Umaria	Sh. Virendra Kumar, Umaria, Distt. Shahdol, (M.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
5.	-do-	83-Katma (ST)	Sh. Thakurdin Kamar, At. Khada, Post. Repola, Distt. Shahdol (M.P.)	-do-
6.	-do-	95-Ambikapur (ST)	Sh. Dev Narayan, Vill. Latori, Post. Jamgala, Distt. Sarguja, (M.P.)	-do-
7.	-do-	-do-	Sh. Sumer Singh, Vill. Keshopur, Post. Raghavpuri, Distt. Sarguja, (M.P.)	-do-
8.	-do-	225-Sivni	Sh. Shiv Lauvanshi, At & Post. Bisauji Kalan, Teh. Sivni Malwa, (M.P.)	-do-
9.	-do-	267-Ujjain South	Sh. Narendra Kumar Godha, 36-Bakhtavar Marg, Freeganj, Ujjain, (M.P.)	-do-

[No. 76/MP-LA/85(10)]

आदेश

आ.म. 243.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट लोक सभा/विधान सभा के निर्वाचन के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदावान बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपदर्शित रूप में अपने निर्वाचन अधिकारी का कोई भी लेखा रांगी से तथा समय के अन्दर और रोति से दाखिल करने में असफल रहा है;

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्पूर्ण सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टोकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए प्रभावेनामों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या स्थायोचित्य नहीं है,

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की द्वारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य को विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस आदेश को तारोंख से तंत्र वर्ण कर कालावधि के लिए निरहृत घोषित करता है।

सारणी

क्रम संख्या	निर्वाचन का विवरण	निर्वाचन-क्षेत्र की क्रम संख्या और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम व पता	निरहृता का कारण
1	2	3	4	5
314.	ग्रान्थ प्रदेश विधान सभा का साधारण निर्वाचन, 1985	85-गुडोवाडा	सर्वश्री लिंगम वेंकट सुब्रद्या डा. नं. 11-274 सो, गुडोवाडा, कुज्जा जिला, ग्रान्थ प्रदेश।	कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया गया।

1	2	3	4	5
315.	आनंद प्रदेश विधान सभा का साधारण निर्वाचन, 1985	86—मुदिनेपल्ली	छपराला बैंकेश्वरा राव, श्रद्धपाक, मण्डावली तालुक, कृष्णा ज़िला, आनंद प्रदेश।	कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया गया।
316.	—वहो—	—वहो—	मालीरेडो रामास्वामी रेड्डी, जनार्दन पुरम, गुजराहपरठर तालुक, कृष्णा ज़िला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
317.	—वहो—	—वहो—	रामकृष्ण राव पालाडूग, श्रद्धपाक, मण्डावली तालुक, कृष्णा ज़िला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
318.	—वहो—	103—टाडोकोडा (अ.ज. .)	तेनाली सत्यावेदम, 14 वीं लाइन, सैकेन्ड, क्रास रोड अरुणदेलपेट, गुन्टूर-2, आनंद प्रदेश।	समय के अन्दर रीति से लेखा दाखिल नहीं किया गया।
319.	—वहो—	106—गुरजाला	बाथुले अंजानेयाल रावि स्टॉडियो पालनद रोड, नरसा रावपेट, गुन्टूर ज़िला, आनंद प्रदेश।	कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया गया।
320.	—वहो—	—वहो—	मालीपेड्डो सत्यनारायण प्राह्मनपल्ली पिटुगुरालसा तालुक, गुन्टूर ज़िला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
321.	—वहो—	—वहो—	रायपतं वोरेह्या, पिटुगुराला, गुन्टूर ज़िला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
322.	—वहो—	206—मुशाराबाद	जाविद इकबाल, 1-4-735/14, मुशाराबाद, हैदराबाद, आनंद प्रदेश।	—वहो—
323.	—वहो—	—वहो—	नरसिम्हा, 1-3-444/10, कवाड़, गुड्डा, हैदराबाद, आनंद प्रदेश।	—वहो—
324.	—वहो—	—वहो—	नाग भूषणम, 1-4-646, भोलाकपुर, हैदराबाद, आनंद प्रदेश।	—वहो—
325.	—वहो—	—वहो—	मा. खाजा निजामुद्दीन, 1-7-135/डॉ, जामिस्तानपुर, रिसालागुड्डा, मुशाराबाद, हैदराबाद, आनंद प्रदेश।	—वहो—
326.	—वहो—	—वहो—	एम.वा. सुम्माराव, 1-9-533, अद्वीकमेट, हैदराबाद, आनंद प्रदेश।	—वहो—

1	2	3	4	5
327.	आनंद प्रदेश विधान सभा का सांघारण निर्वाचन, 1985	210—खैरताबाद	एम. चन्द्रशेखर राव, मराठा नं. 12-2-460/9, जोवन कल्याननगर, कालीनो मेहदीपटनम, हैदराबाद-500028, आनंद प्रदेश।	कोई भी लेखा दाखिल नहीं किया गया।
328.	—वहो—	—वहो—	रविन्द्र करणा राव मकान नं. 8-3-228/575 रहमतनगर यूसुफगुडा, हैदराबाद-45, आनंद प्रदेश।	—वहो—
329.	—वहो—	—वहो—	ओ. वेंकटेश, मकान नं. 6-3 181/2, प्रेम नगर, खैरताबाद, हैदराबाद, आनंद प्रदेश।	—वहो—
330.	—वहो—	225—जहोराबाद	चकवर्ती, मकान नं. 2-73, अलीपुर (V), जहोराबाद तालुक, मेडक जिला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
331.	—वहो—	—वहो—	बिदेकन्ना बरसंगपा, मकान नं. 4-1-70, सिंगतम भोहल्ला, जहोराबाद- 502220, मेडक जिला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
332.	—वहो—	—वहो—	सैयद करीम, मकान नं. 3-77/बी, मोमिन मुहल्ला, जहोराबाद- 502220, मेडक जिला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
333.	—वहो—	228—रामायमपेट	मुरलीधर राव, नरसिंगो (डाकखाना) 502248 रामायमपेट तालुक, मेडक जिला, आनंद प्रदेश।	—वहो—
334.	—वहो—	266—जगतियल	गोन प्रकाश राव पा.ओ. एप्ड (V) आहम्णापल्ला तालुक, पेडापल्ला जिला करोमनगर, आनंद प्रदेश।	—वहो—
335.	—वहो—	280—खम्माम	अरवापल्लो विद्यासागर, मकान नं. 3-3-68, गांधी नगर, खम्माम जिला, आनंद प्रदेश।	—वहो—

[स. 76/पा.प./86 (314—335)]

भाषेश से,
बलवंत सिंह, प्रवर सचिव

ORDER

O.N. 243.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the election to the House of the People/Legislative Assembly as specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his name has failed to lodge any account of his election expenses in the manner and within the time and in the manner as shown in column (5) of the said Table as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the representation made by them, if any, is satisfied that they have not good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.—

S. No.	Particulars of election	S.No. and name of constituency	Name of contesting candidates	Reasons for disqualification
1	2	3	4	5
314.	General Election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly, 1985.	85-Gudivada	S/Shri Lingam Venkata Subbaiah, D.No.11-274C, Gudivada, Krishna District, A.P.	Account not lodged at all
315.	-do-	86-Mudinepalli	Chaparala Venkateswara Rao, Rudrapaka, Mandavalli Taluk, Krishna District, A.P.	-do-
316.	-do-	-do-	Malireddy Ramaswamy Reddy, Janardhanapuram, Gudivada Taluk, Krishna Dist., A.P.	-do-
317.	-do-	-do-	Ramakrishna Rao Paladugu Rudrapaka, Mandavalli Taluk, Krishna Dist., A.P.	-do-
318.	-do-	103-Tadikonda (SC)	Tenali Satyayedam, .14th line, 2nd Cross Road, Arundelpet,, Guntur-2, A.P.	Account not lodged within the time and in the manner.
319.	-do-	106-Gurzala	Bathule Anjaneyalu, Ravi Studio Palnad road, Narasaraopet, Guntur Dist., A.P.	Account not lodged at all.
320.	-do-	-do-	Mallipeddi Satyanarayana, Brahmanapalli Piduguralla Taluk, Guntur Dist. A.P.	-do-
321.	-do-	-do-	Rayapati Veeraiah, Plduguralla, Guntur Dist., A.P.	-do-
322.	-do-	206-Musheerabad	Javid Iqbal, 1-4-735/14, Musheerabad, Hyderabad, A.P.	-do-
323.	-do-	-do-	Narsimha, 1-3-444/10, Kavadiguda, Hyderabad, A.P.	-do-
324.	-do-	-do-	Naga Bhushanam, 1-4-646, Bholakpur, Hyderabad, A.P.	-do-

1	2	3	4	5
325.	General Election to the Andhra Pradesh Legislative Assembly 1985	206-Musheerabad (Contd.)	S/Shri Md. Khaja Nizamuddin, 1-7-135/D, Zamistanpur, Risalahgadda, Musheerabad, Hyderabad, A.P.	Account not lodged at all
326.	-do-	-do-	M.V. Subba Rao, 1-9-533, Addikmet, Hyderabad, A.P.	-do-
327.	-do-	210-Khairatabad	M. Chandrashekhar Rao, H.No. 12-2-460/9, Jeevan Kalyannagar colony, Mehdipatnam, Hyderabad-500028, A.P.	-do-
328.	-do-	-do-	Ravinder Karuna Rao, H.No. 8-3-228/575, Rahamathnagar Yousufguda, Hyderabad-45, A.P.	-do-
329.	-do-	-do-	B. Venkatesh, H.No. 6-3-181/2, Prem Nagar, Khairatabad, A.P.	-do-
330.	-do-	225-Zaheerabad	Chakravarthy, H.No. 2-73, Allipoor (v), Zaheerabad Taluk, Medak Dist., A.P.	-do-
331.	-do-	-do-	Bidekanna Versangappa, H.No. 4-1-70, Singtam Mohalla, Zaheerabad-502220, Medak Dist., A.P.	-do-
332.	-do-	-do-	Syed Kareem, H.No. 3-4-77/B, Momin Mohalla, Zaheerabad-502220, Medak Dist., A.P.	-do-
333.	-do-	228-Ramayampet	L. Muralidhar Rao, Narsingi (P.O.) 502248, Ramayampet Taluk, Medak Dist., A.P.	-do-
334.	-do-	256-Jagtiyal	Gone Prakash Rao, P.O. & (V) Brahmanapally Taluk, Peddapally Dist. Karimnagar, A.P.	-do-
335.	-do-	280-Khammam	Arvapalli Vidyasagar, H.No. 3-3-68, Gandhi Nagar, Khammam Dist., A.P.	-do-

[No. 76/AP/86 (314-335)]

By order,
BALWANT SINGH, Under Secy.

मई दिसंबर, 7 नवम्बर, 1986

आदेश

आ.आ. 244.—निर्वाचन प्रायोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट लोक सभा/विधान सभा के निर्वाचन के लिये जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके समने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाला प्रत्येक अध्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तद्वेन बनाये गये नियमों द्वारा अपेक्षित उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपदर्शित रूप में अपने निर्वाचन व्यर्थों का लेखा रौति से/कोई भी लेखा दखिल करने में अफसल रहा है;

और उक्त अध्यर्थियों ने सम्यक् सूचना दिये जाने पर भी उक्त असफलता के लिये या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उत्तेके द्वारा दिये गये अध्यावेदनों पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात् निर्वाचन प्रायोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिये कोई पर्याप्त कारण या ऐयायोनिय नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन प्रायोग उक्त अधिनियम को धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्तियों को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद् के सदस्य चुने जाने और होने के लिये इस आदेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिये निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्र.सं. निर्वाचन का विवरण संधारण निर्वाचन, 1985	निर्वाचन क्षेत्र की क्र.सं. और नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अध्यर्थी का नाम व पता	निरहता का कारण
1. कर्नाटक विधान सभा का संधारण निर्वाचन, 1985	197-बेलगाम	सर्वश्री अजितप्पा शेतेप्पा, शिवरायकर, 217 हिंदवादी बेलगाम कर्नाटक	कोई भी लेखा दखिल नहीं किया गया
2. —वही—	वही	अर्येरातो श्रीलक्ष्मी 4-कास आजम नगर, बेलगाम, कर्नाटक	वही
3. वही	वही	कामति अन्नपा शिवायोगी, एल. आई. जी. 35, महन्तेश ^{नगर} , बेलगाम, कर्नाटक	वही
4. वही	वही	कल्लयया बासान्नेया पुजारी, 141, तहसीलदार गली, बेलगाम, कर्नाटक	वही
5. वही	वही	कागलाकर सिद्धप्पा गंगाराम, 217, हिंदवादी, बेलगाम, कर्नाटक	वही
6. वही	वही	करगी नागप्पा पीरप्पा, 113, ए. वारदप्पा गली, बेलगाम, कर्नाटक	वही
7. वही	वही	खानापुर वसंत तयप्पा, 217, हिंदवादी, बेलगाम, कर्नाटक	वही
8. वही	वही	खानपुर तयप्पा भीमप्पा, 217, हिंदवादी, बेलगाम, कर्नाटक	वही
9. वही	वही	चावहृष्णवर निंगप्पा बनप्पा, 332/3, बासवन गली, खासबांग, कर्नाटक	वही
10. वही	वही	चन्नप्पा वीरभद्रप्पा अंगादी, 43/5 तानाजी गली, बेलगाम, कर्नाटक	वही

1	2	3	4
11.	कर्नाटक विधानसभा का सांघारण निर्वाचन, 1985	197-बेलगाम	चिताली काशीनाथ रवि, 787, कोथाली तालुक चिकोडी, बेलगाम, कर्नाटक
12.	वही	वही	दुटगल तयप्पा चिक्किप्प, 217 हिवादी, बेलगाम, कर्नाटक
13.	वही	वही	धारेश्वर सुरेश सुबराव, प्रशान्त सी. एस. म. 1375, सदाशिवनगर, बेलगाम, कर्नाटक
14.	वही	वही	नली सदाशिव भीमप्पा, 5/4, होमुर कुलकर्णी गली, बेलगाम, कर्नाटक
15.	वही	वही	पाटिल रमेशगोड गृहानागौड, कुनीमोहल्लि सवानूर, धारवाड़, कर्नाटक
16.	वही	वही	पाटिल रविन्द्र मृति, 1 बी, विश्वेष्वररेण्य मंगर, बेलगाम, कर्नाटक
17.	वही	वही	पेढानेकर प्रकाश राजाराम, 1628, प्रसुरकर गली, बेलगाम, कर्नाटक
18.	वही	वही	बद्दीमणि गंगाधार वीरभद्रप्पा, 401/1, बासवन गली, बेलगाम, कर्नाटक
19.	वही	वही	बन्नीकोप्पा मनोहर नागप्पा, 314/1, बासवन गली, बेलगाम, कर्नाटक
20.	वही	वही	बल्लाद विजयकुमार अर्जुनराव, बेलगाम, कर्नाटक
21.	वही	वही	भंडारी महादेव कृष्ण, 586-1, सराफ गली शाहपुर, बेलगाम, कर्नाटक
22.	वही	वही	भंडारी रमेश विठ्ठल, 608/1, सराफ गली, शाहपुर, बेलगाम, कर्नाटक
23.	वही	वही	खद्दप्पा देवेन्द्रप्पा, 244/66, ए, फूलबाग गली, बेलगाम, कर्नाटक
24.	वही	वही	विजय अम्भप्पा हुलमनी, 79/ए, मागदुम गली, बेलगाम, कर्नाटक
25.	वही	वही	शिवानंद बालप्पापाटिल, 355/5, महाद्वार रोड़, बेलगाम, कर्नाटक
26.	वही	वही	सोगते प्रकाश महलप्पा, 577, सराफ गली, बेलगाम, कर्नाटक
27.	वही	वही	सुधा टदम्बकाराव टेलासांग, 547/कामथ, बेलगाम, कर्नाटक

1	2	3	4	5
28.	कर्नाटक विधान सभा का साधारण निवचन, 1985	197-बेलगाम	मुस्थल मल्लप्पा शंकरेप्पा, 4559/2, जालागड गली, बेलगाम, कर्नाटक	जोई मी लेखा दाखिल नहीं किया
29.	वही	65-गौरी विवानुर	एन. लक्ष्मीपायिबाबू, 193, 11-क्रास, बानशंकरी 1-स्टेज, बंगलौर-50, कर्नाटक	वही
30.	वही	208-कागवाड	शान्तिनाथ रघुप्पा सवावसा, अहनापुर, तालुक ग्रथानी, बेलगाम जिला, कर्नाटक	वही

[सं. 76/कर्ना.-वि.स. (355-384)]

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 7th November, 1986

ORDER

O.N. 244.—Whereas the Election Commission is satisfied that each of the contesting candidates specified in column (4) of the Table below, at the Election to the House of the People/Legislative Assembly specified in column (2) and held from the constituency specified in column (3) against his names has failed to lodge an account of his election expenses in the manner/has not lodged the account at all as shown in column (5) of the said Table as required by Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder.

And, whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice or the Election Commission, after considering the Representations made by them, if any, is satisfied that they have no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as and for being, a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

S.No.	Particulars of election	S. No. and name of constituency	Name of contesting candidates	Reason for disqualification
1	2	2	3	4
1.	General Election to the Karnataka Legislative Assembly 1985	197. Belgaum	S/Shri 1. Annappa Shetteppa Shivarayakar, 217 Hindawadi, Belgaum Karnataka	Account not lodged at all
2.	-do-	-do-	Airani Allabax Nisaksab, 4th Cross, Azam Nagar, Belgaum, Karnataka	-do-
3.	-do-	-do-	Kamati Annappa Shivayogi, LIG 35, Mahantesh Nagar, Belgaum, Karnataka	-do-
4.	-do-	-do-	Kallayya Basavanneya Pujari, 141, Tasildar Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
5.	-do-	-do-	Kagalakar Siddappa Gangaram, 217, Hindwadi, Belgaum, Karnataka	-do-
6.	-do-	-do-	Karagi Nagappa Peerappa, 113, A. Veradappa Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
7.	-do-	-do-	Khanapure Vasant Tayappa, 217, Hindwadi, Belgaum, Karnataka	-do-
8.	-do-	-do-	Khanapure Tayappa Bhimappa, 217, Hindwadi, Belgaum, Karnataka	-do-
9.	-do-	-do-	Chavhanavar Ningappa Banappa, 332/3, Basavan Galli, Khasabag, Belgaum, Karnataka	-do-
10.	-do-	-do-	Channappa Veeraphadrappa Angadi, 43/5, Tanaji Galli, Belgaum, Karnataka	-do-

1	2	2	3	4
11.	General Election to the Karnataka Legislative Assembly, 1985	197-Belgaum	S/Shri Chitali Kashinath Ravu, 787, Kolhalli, Taluka Chikodi Belgaum, Karnataka.	Account not ledged at all
12.	-do-	-do-	Dandgal Tayappa Chinnappa, 217, Hindwadi, Belgaum, Karnataka	-do-
13.	-do-	-do-	Dhareshwar Suresh Subrao, Prashant C.S. No. 1375, Sadashivnagar, Belgaum, Karnataka	-do-
14.	-do-	-do-	Nooli Sadashiv Bhimappa, 5/4, Hosur Kulkarni Galli, Belgaum, Karnataka.	-do-
15.	-do-	-do-	Patil Rameshgoud Guddanagoud, Kunimohalli Savanur, Dharwad, Karnataka	-do-
16.	-do-	-do-	Patil Ravindra Shivamurthi, 1, B, Vishweshwarie Nagar, Belgaum, Karnataka	-do-
17.	-do-	-do-	Pedanekar Prakash Rajaram, 1628, Ansurker Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
18.	-do-	-do-	Baddimant Ganghadhar Veerabhadrappa, 401/1, Basavan Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
19.	-do-	-do-	Bannikoppa Manohar Nagappa, 314/1, Basavan Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
20.	-do-	-do-	Bellad Vijayakumar Arjunrao, Belgaum, Karnataka	-do-
21.	-do-	-do-	Bhandari Mahadev Krishna, 586/1, Saraf Galli, Shahapur, Belgaum, Karnataka	-do-
22.	-do-	-do-	Bhandari Ramesh Vithial, 608/1, Saraf Galli, Shahapur, Belgaum, Karnataka	-do-
23.	-do-	-do-	Rudrappa Devendrappa 244/66A, Fhubag Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
24.	-do-	-do-	Vijaya Annappa Hulmani, 79/A, Magadum Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
25.	-do-	-do-	Shivanand Balappa Patil, 355/5, Mahadwar Road, Belgaum, Karnataka	-do-
26.	-do-	-do-	Sogate Prakash Mallappa, 577, Saraf Galli, Belgaum, Karnataka	-do-
27.	-do-	-do-	Sudha Tdambkarao Telasang, 547/Kamath, Belgaum, Karnataka	-do-
28.	-do-	-do-	Suldhali Mallappa Shankar eppa, 4559/2, Jalagar Galli, Belgaum, Karnataka	-do.
29.	-do-	64. Gouribidanur	N. Lakshmi pathibabu 193, Ind Cross, Banashankari 1st Stage, Bangalore-50 Karnataka	-do-
30.	-do-	208. Kagwad	Shanthinath Rayappa Savadatti, Aihapur, Tal : Athani, Belgaum District, Karnataka	--do--

प्रादेश

आ. आ. 245.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि 1984 में हुए तमिलनाडु विधानसभा के साधारण निर्वाचन के लिए 98-तिरुचेनगोड़ निर्वाचन-क्षेत्र से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार श्री रामासामी पुत्र/चेलप्पा गौड़र, 133ए, सीतारामपालपम तिरुचेनगोड़, सेलम जिला (तमिलनाडु) लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा अपेक्षित समय के अन्दर तथा रीति से अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं।

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है और निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त कारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में निर्वाचन आयोग श्री रामा सामी को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की तारीख में तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

[सं. 76/तमिलनाडु/86(270)]

ORDER

O.N. 245.—Whereas the Election Commission is satisfied that Shri Ramasamy, S/o. Chellappa Gounder, 133 A, Setharamapalayam, Tiruchengode, Salem District (Tamil Nadu), a contesting candidate for the General Election to the Tamil Nadu Legislative Assembly held in 1984 from 98-Tiruchengode constituency has failed to lodge the account of his election expenses within the time and in the manner as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, whereas, the said candidates has not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice and the Election Commission is further satisfied that he has no good reason or justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act, the Election Commission hereby declares Shri Ramasamy to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a State for a period of 3 years from the date of this order.

[No. 76/TN/86(270)]

प्रादेश

आ. आ. 246.—निर्वाचन आयोग का समाधान हो गया है कि नीचे की सारणी के स्तम्भ (2) में यथा विनिर्दिष्ट उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन 1985 के लिए जो स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट निर्वाचन-क्षेत्र से हुआ है, स्तम्भ (4) में उसके सामने विनिर्दिष्ट निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी, लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 तथा तदीन बनाए गए नियमों द्वारा उक्त सारणी के स्तम्भ (5) में यथा उपर्याप्त रूप में अपने निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल करने में असफल रहे हैं;

और उक्त अभ्यर्थियों ने सम्यक सूचना दिए जाने पर भी उक्त असफलता के लिए या तो कोई कारण अथवा स्पष्टीकरण नहीं दिया है या उनके द्वारा दिए गए अभ्यावेदन पर, यदि कोई हो, विचार करने के पश्चात निर्वाचन आयोग का यह समाधान हो गया है कि उनके पास उक्त असफलता के लिए कोई पर्याप्त धारण या न्यायीचित्य नहीं है;

अतः अब, निर्वाचन आयोग उक्त अधिनियम की धारा 10-के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट व्यक्ति को संसद के किसी भी सदन के या किसी राज्य की विधान सभा अथवा विधान परिषद के सदस्य चुने जाने और होने के लिए इस प्रादेश की तारीख से तीन वर्ष की कालावधि के लिए निरहित घोषित करता है।

सारणी

क्रम निर्वाचन की विशिष्टियाँ सं.	निर्वाचन क्षेत्र को क्रम संख्या एवं नाम	निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थी का नाम व पता	निर्वाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया।	
1	2	3	4	5
1. उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए नाधारण निर्वाचन 1985	104—लखनऊ कैट्टूनमेन्ट	श्री अकबाल 113, जयनरायन रोड, हुमैनगंज, लखनऊ (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया।	
2. —बहरी—	—बहरी—	श्री अखिलेश, 119, श्रावित्य भवन, मबैया, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	—बहरी—	

1	2	3	4	5
3.	उत्तर प्रदेश विधान सभा ने लिए साधारण निर्वाचन, 1985	104 लखनऊ कैटटूनमेन्ट	श्री विज्वनाथ, चित्ताब्देडा, ऐश्वर्या, जिला लखनऊ (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
4.	—वही—	105—सरोजनीनगर	श्री मजीबन लाल, ग्राम बेहला, पोस्ट सरोजनीनगर, जिला लखनऊ (उ.प्र.)	—वही—
5.	—वही—	—वही—	श्री मुन्दर लाल धीमन, दरावनगर बरकौता, पोस्ट तिरवा, जिला लखनऊ (उ.प्र.)	—वही—
6.	—वही—	148—महसी	श्री आलम, ग्राम करवारी, पो. धरमनपुर, जिला बहराइच (उ.प्र.)	—वही—
7.	—वही—	—वही—	श्रीमती शीतला देवी, ग्राम व पो. बरदहा, जिला बहराइच (उ.प्र.)	—वही—
8.	—वही—	—वही—	श्री सुल्तान ग्रली, ग्राम गमहिरबा बाजार, पो. रायपुर रिसिथा, जिला बहराइच (उ.प्र.)	—वही—
9.	—वही—	155—तुलसीपुर	श्री अष्टभुजा प्रसाद, ग्राम शिव चरन डीह, पो. महराजगंज तराई, जिला गोण्डा (उ.प्र.)	—वही—
10.	—वही—	—वही—	श्री छोटे लाल सोनकर, ग्राम साहेबगंज, पो. महाराजगंज तराई, जिला गोण्डा (उ.प्र.)	—वही—
11.	—वही—	—वही—	श्री मंगरेंसिह, ग्राम भगवानपुर, पो. मुजहेनी, जिला गोण्डा, (उत्तर प्रदेश)	—वही—
12.	—वही—	—वही—	श्री रजवन्त सिह, ग्राम पूरनपुर, पो. तुलसीपुर, जिला गोण्डा (उ.प्र.)	—वही—
13.	—वही—	—वही—	श्री कमल नयन मणि तिवारी ग्राम रजवापुर, पो. धरमपुर, जिला गोण्डा, (उत्तर प्रदेश)	—वही—
14.	—वही—	—वही—	श्री बहाऊ उफ अब्दुल बहाबखां स्टशन रोड, तुलसीपुर, जिला गोण्डा (उ.प्र.)	—वही—

1	2	3	4	5
15.	उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1985।	171—इटवा	श्री ललिकरन, ग्राम देवधरिया, पोस्ट गौरा बाजार, जिला बस्ती (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया।
16.	—वही—	178—हैमर बाजार (अ.जा.)	श्री सन्त राम ग्राम कनैला, पो. सिरसी जिला बस्ती (उ.प्र.)	निर्वाचन यथों का लेखा समय के अन्दर तथा रीति से दाखिल नहीं किया।
17.	—वही—	687—सहजमवा	श्री धनुषधारी निषाद ग्राम अहिरलौली, पो. बसियाखोर, जिला गोरखपुर (उ.प्र.)	—वही—
18.	—वही—	196—हाटा (अ.जा.)	श्री हरि, ग्राम व पोस्ट दाढ़ा बुजुर्ग, जिला देवरिया (उत्तर प्रदेश)	निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा अपेक्षित रीति से दाखिल नहीं किया।
19.	—वही—	223—चिलकहर	श्री मुरेश चौहाम, ग्राम पल्टपुर, पो. इसारपोया पट्टी, जिला बलिया (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
20.	—वही—	237—धानापुर	मो. इस्लाम असारी, ग्राम व पो. चांदौली, जिला वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—
21.	—वही—	238—चन्दौली (अ.ज.)	श्री नन्द लाल शास्त्री ग्राम रेवस, पो. जैवरियाबाद तह. चन्दौली, जिला वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—
22.	—वही—	—वही—	श्री भरत, ग्राम बखरा, पो. साहंपुरी, जिला वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—
23.	—वही—	—वही—	श्री ललीतू, ग्राम व पो. चन्दौली, जिला वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—
24.	—वही—	—वही—	श्री लालजी, ग्राम मठना, पो. हरिहरपुर, जिला मिर्जापुर (उ.प्र.)	—वही—
25.	—वही—	—वही—	श्री संबरु राम, ग्राम रेवसा, पो. जैवरियाबाद, जिला वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—
26.	—वही—	—वही—	श्री सुदर्शन राम, ग्राम पपौरा, पो. पपौरा, जिला वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—

1	2	3	4	5
27.	उत्तर प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचना, 1985	23 : ३.८.८६ १००८०	श्रीमती मुसेसी देवी, प्राम व्यापारगढ़, पुनिको रौन्डा, जिल्हा वाराणसी (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का लेखा दाखिल नहीं किया।
28.	—वही—	243—वाराणसी उत्तरी	श्री लल्लन, ए-३१९९, हुजाराकपुरा, पर्वग शहीद, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)	—वही—
29.	—वही—	—वही—	श्री शैक्षत अली अंसारी, मौडला (खूलपुरा, जे २१) २०७, जैनपुरा, वाराणसी (उ.प्र.)	—वही—
30.	—वही—	260—दुटी (अ.ज.)	श्रीगंती कमनी, पापवना, पड़वां, जिल्हा निर्वाचनी (उत्तर प्रदेश)	निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा रीति से दाखिल नहीं किया।
31.	—वही—	262—राजगढ़	श्री श्रीणि था साम व पो, साठपापुर, जिल्हा निर्वाचनी (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का लेखा अपेक्षित रीति से दाखिल नहीं किया।
32.	—वही—	263—चुनार	श्री बदलारी, गोप्यपुर बाकी, देवरिया, जिल्हा मिर्जापुर (उ.प्र.)	निर्वाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया
33.	—वही—	—वही—	श्री र.प्रवाल, रेणुगंगा, जिल्हा मिर्जापुर, (उत्तर प्रदेश)	निर्वाचन व्ययों का लेखा समय के अन्दर तथा अपेक्षित रीति से दाखिल नहीं किया।
34.	—वही—	268—करठना	श्री अमय राजसिंह, ग्राम व पोस्ट रामनगर, जिल्हा इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	निर्वाचन व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया।
35.	—वही—	273—सोरांव	श्री पंचम लाल, कटरा दयारोग, मऊ आदमा, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
36.	—वही—	276—इलाहाबाद दक्षिण	श्री श्याम लाल, ३११, बहादुर गंज, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
37.	—वही—	277—इलाहाबाद पश्चिम	श्री अनीस अहमद, २९७, तूलसीपुर कालोनी, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
38.	—वही—	—वही—	श्री ओंकार सिंह, बी-८५, गुरुतेग बहादुर, नगर, करैली योजना, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—

1	2	3	4	5
39.	उत्तर-प्रदेश विधान सभा के लिए साधारण निर्वाचन, 1985	277—इलाहाबाद पश्चिम	श्री गुलाबसिंह, ग्राम चन्द्रभानपुर, पो. गौसपुर, कटुहल, जिला इलाहाबाद (उ.प्र.)	निर्वाचित व्ययों का कोई लेखा दाखिल नहीं किया।
40.	—वही—	—वही—	श्री छोटे मियां, 56, करेला बाग, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
41.	—वही—	—वही—	श्री जावेद इकबाल मंसूरी, 4ए, निहालपुर, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
42.	—वही—	—वही—	डा. मोहम्मद फाजिल अंसारी, 61, दयर शाह घजमल, इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
43.	—वही—	—वही—	श्री सतीश चन्द्र कुशवाह, 48, बेनीगंज, इलाहाबाद, (उत्तर प्रदेश)	—वही—
44.	—वही—	—वही—	श्री सुरेश बहादुर, ग्राम व पो. औधन, तह. चायल, जिला इलाहाबाद, (उत्तर प्रदेश)	—वही—
45.	—वही—	—वही—	श्री हरीराज, ग्राम व पो. चरवा, जिला इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
46.	—वही—	—वही—	श्री बलराम, ग्राम व पो. भकन्दा, तह. मंझनपुर, जिला इलाहाबाद (उ.प्र.)	—वही—
47.	—वही—	296—राजपुर	श्री महादेव शंखवार, ग्राम शंकरपुर, पो. सलेमपुर, जिला कानपुर देहात (उ.प्र.)	—वही—
48.	—वही—	335—मधोगढ़	श्री रत्न नारायण, उर्फ डा. रनेश, ग्राम व पो. हारशंकरपुर, जिला जालौन (उ.प्र.)	—वही—

[सं. 76/उ.प्र.—वि.स./85(9)]

प्रादेश से,
सी.एल. रोज, सचिव

ORDER

O.N. 246 :— Whereas the Election Commission is satisfied that the contesting candidates specified in column (4) of the Table below at the General election to the Uttar Pradesh Vidhan Sabha, 1985 as specified in column(2) held from the constituency specified in column (3) against their names have failed to lodge the account of their election expenses as shown in column (5) of the said Table, as required by the Representation of the People Act, 1951 and the Rules made thereunder;

And, Whereas, the said candidates have either not furnished any reason or explanation for the said failure even after due notice of the Election Commission, after considering the representations made (by them, if any, is satisfied that they have no good reason on justification for the said failure;

Now, therefore, in pursuance of section 10A of the said Act the Election Commission hereby declares the persons specified in column (4) of the Table below to be disqualified for being chosen as, and for being a member of either House of the Parliament or of the Legislative Assembly or Legislative Council of a state for a period of 3 years from the date of this order.

TABLE

S. No.	Particulars of election	S. No. & Name of the Constituency	Name & Address of the contesting Candidates	Reason of disqualification
1	2	3	4	5
1.	General Election to the U.P. Legislative Assembly, 1985.	104— Lucknow Cantonment	Sh. Iqbal, 113, Jainarayan Road, Hussalnganj, Lucknow (U.P.) Sh. Akhilesh, 119, Aditya Bhawan, Mabalya, Lucknow (U.P.).	Failed to lodge any account of election expenses. -do-
2.	-do-	-do-	Sh. Vishwa Nath, Chittakhera, Aishbarh, Lucknew (U.P.)	-do-
3.	-do-	-do-	Sh. Sajwan Lal, Vill-Behla, P.O. Sarojini Nagar, Distt-Lucknow (U.P.)	-do-
4.	-do-	105— Sarojini Nagar	Sh. Sunder Lal Dhiman, Darabnagar, Barkota, P.O. Tiwra, Distt-Lucknow (U.P.)	-do-
5.	-do-	-do-	Sh. Alam, Vill-Katwari, P.O. Dharmanpur, Distt-Bahraich (U.P.)	-do-
6.	-do-	148 - Mahsi	Smt. Shitala Devi, Vill. & P.O. Bardaha, Distt-Bahraich (U.P.)	-do-
7.	-do-	-do-	Sh. Sultan Ali, Vill-Gumhirba Bazar, P.O. Raipur Risiya, Distt-Bahraich (U.P.)	-do-
8.	-do-	155— Tulsipur	Sh. Ashutosh Prasad, Vill. Shivcharan Deeh, P.O. Maharajgang Tarai, Distt-Gond (U.P.)	-do-
9.	-do-	-do-	Sh. Chhotey Lal Sonkar, Vill-Saheb ganj, P.O. Mahrajganj Tarai, Distt-Gonda (U.P.)	-do-
10.	-do-	-do-	Sh. Mangre Singh, Vill. Bhagwanpur, P.O. Mujehani, Distt. Gonda (U.P.)	-do-
11.	-do-	-do-	Sh. Rajawant Singh, Vill. Pooranpur, P.O. Tulsipur, Distt. Gonda (U.P.)	-do-
12.	-do-	-do-	Sh. Kamal Nain Mari Tiwari, Vill. Rajwapur, P.O. Dharampur, Distt. Gonda (U.P.)	-do-

1	2	3	4	5
14.	General Election to the U.P. Legislative Assembly, 1985.	155—Tulsi pur	Sh. Bhaualias Bahaw Khan, Station Road, Tulsipur, Distt. Gonda (U.P.)	Failed to lodge any ac- count of election ex- penses.
15.	-do-	171—Itwa	Sh. Lali Karan, Vill. Devbharie, P.O. Gaura Bazar, Distt.Basti (U.P.)	-do-
16.	-do-	178—Hainsar bazar (SC)	Sh. Sant Ram. Vill. Kaneila, P.O. Siransi, Distt. Basti (U.P.)	Failed to lodge the ac- count within the time and in the manner.
17.	-do-	187—Sahjanwa	Sh. Dhanushdhari Nishad, Vill. Ahiroli, P.O. Basiyakhor, Distt. Gorakhpur (U.P.)	-do-
18.	-do-	196—Hatr (SC)	Sh. Harl, Vill. & P.O. Dadabujurg, Distt. Deoria (U.P.)	-do-
19.	-do-	223—Chilkhar	Sh. Suresh Chauhan, Vill. Paltupur, P.O. Isarpia Patti, Distt. Balia (U.P.)	-do-
20.	-do-	237—Dhanapur	Moh. Islam Ansari, Vill. & P.O. Chandauli, Dist. Varanasi (U.P.)	-do-
21.	-do-	238—Chandauli (SC)	Sh. Nand Lal Shastri, Vill. Rewsa, P.O. Zaiwariyabad, Teh. Chandauli, Distt. Varanasi (U.P.)	Failed to lodge any ac- count of election ex- penses.
22.	-do-	-do-	Sh. Bharat, Vill. Bakhra, P.O. Sahpuri, Distt. Varanasi (U.P.)	-do-
23.	-do-	-do-	Sh. Lalit, Vill. & P.O. Chandauli, Distt. Varanasi (U.P.)	-do-
24.	-do-	-do-	Sh. Lalji, Vill. Mathra, P.O. Hariharpur, Distt. Mirzapur (U.P.)	-do-
25.	-do-	-do-	Sh. Sanwaru Ram, Vill. Rewsa, P.O. Zaiwariyabad, Dist. Varanasi (U.P.)	-do-
26.	-do-	-do-	Sh. Sudarshan Ram, Vill. Papaura, P.O. Papaura, Distt. Varanasi (U.P.)	-do-
27.	-do-	-do-	Smt. Munesari Devi, Vill. Khyalgarh, Muttalike Londa, Distt. Varanasi (U.P.)	-do-
28.	-do-	243—Varanasi North	Sh. Lallan, A, 38/99, Kajjikpura, Palang Shahid, Varanasi (U.P.)	-do-
29.	-do-	-do-	Sh. Shauqat Ali Ansari, Moh. Rasoolpura, J, 21/207, Jetpura, Varanasi (U.P.)	-do-

1	2	3	4	5
30.	General Election to the U.P. Legislative Assembly, 1985.	260. Duddhi (S.C.)	Smt. Rukmani, Vill. & P.O. Badgawa, Distt. Mirzapur (U.P.)	Failed to lodge the account within the time and in the manner.
31.	-do-	262. Rajgarh	Sh. Srikrishan, Vill. & P.O. Sahaspur, Distt. Varanasi (U.P.)	Failed to lodge the account in the manner.
32.	-do-	263. Chunar	Sh. Banwari, Gorukhpur Mafi, Deoria, Distt. Mirzapur (U.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
33.	-do-	-do-	Sh. Rambabu, Raipuria, Distt. Mirzapur (U.P.)	Failed to lodge the account within the time and in the manner.
34.	-do-	268. Karchhana	Sh. Abhayaraj Singh, Vill. & P.O. Ramnagar, Distt. Allahabad (U.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
35.	-do-	273. Soraon	Sh. Pancham Lal, Katra Daya Ram, Mau Alma, Allahabad (U.P.)	-do-
36.	-do-	276. Allahabad South	Sh. Shyam Lal, 311, Bahadurganj, Allahabad (U.P.)	-do-
37.	-do-	277. Allahabad West	Sh. Anis Ahmad, 29/7, Tulsipur Colony, Allahabad (U.P.)	-do-
38.	-do-	-do-	Sh. Onkar Singh, B/85, Guru Teg Bahadur Nagar, Kareli Yojna, Allahabad (U.P.)	-do-
39.	-do-	-do-	Sh. Gulab Singh, Vill. Chandrabhanpur, P.O. Gospur, Kathula, Distt. Allahabad (U.P.)	-do-
40.	-do-	-do-	Sh. Chhote Miyan, 56, Karela Bagh, Allahabad (U.P.)	-do-
41.	-do-	-do-	Sh. Zaved Iqbal Mansoori, 4A, Nihalpur, Allahabad (U.P.)	-do-
42.	-do-	-do-	Dr. Moh. Fazil Ansari, 61, Dayra Shah Ajmal, Allahabad (U.P.)	-do-
43.	-do-	-do-	Sh. Satish Chandra Kushwaha, 48, Beniganj, Allahabad (U.P.)	-do-
44.	-do-	-do-	Sh. Suresh Bahadur, Vill & P.O. Ondhan, Teh. Chail, Distt. Allahabad (U.P.)	-do-
45.	-do-	-do-	Sh. Hari Raj, Vill. & P.O. Charwa, Distt. Allahabad	-do-
46.	-do-	-do-	Sh. Balram, Vill. P.O. Bhakanda, Teh. Manjhanpur, Distt. Allahabad (U.P.)	-do-

1	2	3	4	5
47.	General Election to the U.P. Legislative Assembly, 1985.	296—Rajpur	Sh. Mahadov Shankhwar, Vill. Shankerpur, P.O. Salempur, Dist. Kanpur Dehat, (U.P.)	Failed to lodge any account of election expenses.
48.	-do-	335—Madhogarh	Sh. Ratan Narayan alias, Dr. Ratnesh, Vill & P.O. Harshankerpur, Distt. Jalaun (U.P.)	-do-

[No. 76/UP-LA/85(9)]

By Order,
C.L. ROSE, Secy.

New Delhi, the 17th November, 1986

O.N. 247.—In pursuance of Section 106 of the Representation of the People Act, 1951 (43 of 1951), the Election Commission hereby publishes the Judgment of the High Court of Kerala at Ernakulam dated the 12th September, 1986 in Election Petition No. 2 of 1985.

[No. 82/LKD/(2/85)[86]
C. L. ROSE, Secy.

IN THE HIGH COURT OF KERALA AT
ERNAKULAM

PRESENT :

The Honourable Mr. Justice K. P. Radhakrishna Menon.
Friday, the 12th September, 1986/21st Bhadra, 1908.

E. P. No. 2 of 1985.

PETITIONER :

Dr. Mohammed Koya Kunnamkulam, Kaldeni, P.O.
Lakshadweep.

By Advs. M/s. K. Suchakaran, B. Reghunathan and
M. Salim.

RESPONDENT :

Mohammed Sayed Padannatha, Androth, Lakshadweep.

By Advs. M/s. S. Narayanan Poti, S. Ramesh Babu and
T. P. M. Ibrahim Khan.

This petition having been finally heard on 29-7-1986, the court on 12-9-1986 delivered the following :—

K. P. Radhakrishna Menon, J.
Election Petition No. 2 of 1985.

JUDGMENT

The petition has prayed for the grant of a declaration that the "respondent's election" held on 24-12-1984 and declared on 28-12-1984 from the Lakshadweep Constituency, is void. Yet another prayer sought for reads :—"to declare that the petitioner has been elected from the said Lakshadweep Constituency at the election dated 24-12-1984."

2. The petition is based on numerous grounds which are set out in paragraphs V, 1 to 8 of the petition. Paragraph V, 1 to 3 and 5 deal with the corrupt practices within the meaning of Section 123(7) of Chapter I of part 7 of the Representation of the People Act, 1951, for short 'The Act' alleged to have been resorted to by the respondent in the election. Para V(4) covers the ground falling under Section 100(1)(d)(iv) of the Act whereas para V(8) deals with the corrupt practice falling under Section 123(3) of the Act.

3. The grounds urged in paragraphs 5, 6 and 7 are not considered as the petitioner has given up the same. In the written statement the respondent has specifically denied the allegations, the petitioner has set out in support of the case for the grant of the declarations prayed for.

4. As many as 14 issues have been settled. They are :—

- "1. Was there publication of pamphlets in Malayalam and Malabar in violation of Section 127-A of the Representation of Peoples Act, 1954 ? Was the said publication at the instance or with the connivance of the respondent. Has the publication of Annexures II and II-A prejudicially affected the prospect of the petitioner's election ?
- 2. Has the respondent obtained or procured assistance from persons in service of the Government as claimed in para V(1) of the Election Petition. Have persons in service of the Government, the Administrator Sri Omesh Saigal and the Information Officer or any of them assisted in the publication regarding distribution of South Pandaram Lands in the official organ 'Lakshadweep Times' ? Was this done with the connivance or at the instance of the respondent ?
- 3. Has the publication and the conduct of the respondent and his election campaigner influenced the voters ? Was the said assistance in furtherance of the prospect of respondent's election ? Has the Administrator and the Plant Protection Officer or any of them visited the areas as stated in Annexure-6 Tour Programme ?
- 4. Did Shri Alimanikfan, the Election Campaigner of the respondent, tour along with the Administrator, Plant Protection Officer and Film Division Officials in the Minicoy Island on 10 and 11 December, 1984 ?
- 5. Did the officers mentioned in paragraph V (2) of the petition or any of them assist the respondent in his prospect of election by doing all or any of the acts mentioned in paragraph V(2) ?
- 6. Was the meeting conducted by the officials under the auspices of the Government on 25-11-1984 ? Has the respondent's representative in the Standing Committee called by the Chief Election officer addressed the said meeting ? Was Annexure 9 pamphlet distributed in the said meeting ?
- 7. Has the publication and distribution of Annexure-9 pamphlet violated Section 127 (A) of the Representation of Peoples Act, 1951?
- 8. Did the action of the Administrator, Information Officer and other officials or any of them prejudiced affect the prospect of petitioner's election? Was there mass transfers of Government Employees and threatening with disciplinary action as shown in Annexures 13 to 13(d)? Were these done in furtherance of the prospect of respondent's election?
- 9. Was the transfer of Sri. Alikoya, Sub Treasury Officer, Agathi cancelled by the authorities at the

- instance of respondent? Was there canvassing of vote by the relatives of the said officer for the respondent?
10. Was there violation of Article 326 of the Constitution and Section 62(1) of the Representation of People Act in allowing casual labourers of Sub-Contractors to be registered as voters in Lakshadweep Constituency and to be allowed to vote?
11. Was the publication in Annexure 18 referred to in paragraph V(7) done at the instance of the respondent or with his consent? Has the publication done by officers in furtherance of the prospect of the respondent's election?
12. Was there campaigning by the respondent's agents or other persons on behalf of the respondent calling upon the electorate to refrain from voting on the ground that the petitioner and/or his relatives belong to Ahamadee Sect? Has the propaganda prejudicially affected the petitioners prospect of election?
13. Is the election of the respondent held on 24-12-84 to be declared to be void for the reasons mentioned in the election petition? Is the petitioner entitled to be declared as elected?

14. Costs."

5. Before I deal with the issues, I shall state the law, well settled by judicial pronouncements, applicable to the case. The sections of the Act which are relevant in the context, are : Sections 40,83, Section 100(1)(b) and (D)(iv) and Section 123(3) and (7) of the Act.

6. Section 40 pertains to the appointment of an election agent. Section 83(1)(a) says that an election petition shall contain a concise statement of the material facts on which the petitioner relies. Section 83(1)(b) provides that the election petition shall set forth full particulars of any corrupt practice that the petitioner alleges, including as full a statement as possible of the names of the parties alleged to have committed such corrupt practice and the date and place of the commission of each such corrupt practice. Section 83(1)(c) pertains to the verification of the pleadings and the proviso thereto insists upon the filing of an affidavit in the prescribed form in support of the allegation of the corrupt practices and the particulars thereof. Sub-section 2 of Section 83 provides that any schedule or annexure to the petition shall also be signed by the petitioner and verified in the same manner as the petition.

7. Construing Section 83 and 123(7), the Supreme Court has held that a petitioner should specifically plead in the election petition, the assistance, the type of assistance, the manner of assistance, the time of assistance, the person from whom assistance is sought by the elected candidate, in order to prove the corrupt practices falling under sec. 123(7). In short it is essential and mandatory for the election petitioner to set out with precision, the type of assistance as also the manner in which assistance was obtained or procured from the persons mentioned in Clauses 'a' to 'g' of Section 123(7) to prove the corrupt practices. Similarly the time, the date and the place of the assistance etc. are also required to be set out in detail. As observed by the Supreme Court in *Hardwari Lal v. Kanwal Singh* (A. I. R. 1972 S.C. 515) :

"Thus it had to be alleged as the material facts as to what assistance the appellant obtained or procured or abetted or attempted to obtain or procure from which person and how the assistance furthered the prospects of the appellant's election. If all the four variants and ingredients were to be charged against the appellant these had to be set out as statements of material facts in relation to each person."

The Supreme Court in the said decision has held thus :-

".....Hidayathullah, C. J. speaking for the Court laid down these propositions. First, Section 83 of the Act is mandatory and requires first a concise statement of material facts and then requires the fullest possible particulars. Second, omission of a

single material facts leads to an incomplete cause of action and the statement of claim becomes bad. Third, the function of particulars is to present in full a picture of the cause of action to make the opposite party understand the case he will have to meet. Fourth, material facts and particulars are distinct matters. Material facts will mention statements of fact and particulars will set out the names of persons with the date, time and place. Fifth, material facts will show the ground of corrupt practice and the complete cause of action and the particulars will give the necessary information to present a full picture of the cause of action. Sixth in stating the material facts it will not do merely to quote the words of the section because then the efficacy of the material facts will be lost. The facts which constitute a corrupt practice must be stated and the facts must be correlated to one of the heads of corrupt practice. Seventh, an election petition without the material facts relating to a corrupt practice is no election petition at all. A petition which merely cites the sections cannot be said to disclose a cause of action where the allegation is the obtaining or procuring of assistance unless the exact type and form of assistance and the person from whom it is sought and the manner in which the assistance is to further the prospects of the election are alleged as statements of facts."

(See also the decisions in A.I.R. 1969 S.C. 583, A.I.R. 1969 S. C. 1201, A. I. R. 1957 S. C. 444, A. I. R. 1984 S C 621 and A. I. R. 1976 S. C. 1599).

8. In a case where the election petitioner has been successful in establishing corrupt practices, the election of the returned candidate will be declared void. But that may not be the case where the result of the election is challenged on the ground falling under Section 100(1)(d)(iv). In such cases it is not enough if the election petitioner establishes that there was non-compliance with the provisions of the Constitution or of the Act or of any of the Rules or Orders made under the Act, he should also establish that the result of the election, in so far as it concerns the returned candidate, has been materially affected by the non-compliance with the provisions of the Constitution or the Act as the case may be, in order to have a declaration that the election of the returned candidate is void. In short it should be established that but for this non-compliance with the provisions of the Act or the Constitution, as the case may be, the returned candidate would not have been declared elected. I am fortified in this view by a decision of the Supreme Court in *Mahadeo v. Udai Partap* (A. I. R. 1966 S. C. 824). The Supreme Court has held thus in the said decision :-

'(16) Therefore, we are left with only one irregularity, and that has been introduced by the misprinting of the name of respondent No. 1 on the ballot papers ; and this irregularity can legitimately be treated as falling under S. 100(1)(d)(iv) of the Act. Misprinting of the name of respondent No. 1 on the ballot papers amounts to non-compliance with R. 22 of the Rules; but the proof of such non-compliance does not necessarily or automatically render the election of the appellant void. To make the said election void, respondent No. 1 has to prove the non-compliance in question and its material effect on the election. This latter fact he has failed to prove, and so, his challenge to the validity of the appellant's election cannot be sustained."

9. The learned counsel for the petitioner however, submitted that when once the parties to an election petition let in evidence to substantiate their respective cases revealed by their respective pleadings, the pleadings thereafter are not very significant for the determination of the dispute although there is a line of decisions apparently insisting that an election petition shall contain a concise or precise statement of the material facts on which the petitioner relies. So is the case with the requirement regarding the full particulars of any corrupt practice including as full a statement as possible of the names of parties alleged to have committed such corrupt practice and the date and place of the commission of the said corrupt practice, the learned counsel submits. In support

of the above contention the petitioner relied on the following decisions of the Supreme Court.

- (i) Rahim Khan v. Khurshid Ahmed (A.I.R. 1975 S.C. 290).
- (ii) V. Nagaraj v. R. Davanand Sagar (A.I.R. 1975 S.C. 349).
- (iii) Prabhu Narayan v. A. K. Srivastava (A.I.R. 1975 S.C. 968).
- (iv) Jagit Singh v. Kartar Singh (A.I.R. 1966 S.C. 773).
- (v) Virendra Singh v. Vimal Kumar (A.I.R. 1976 S.C. 2169).
- (vi) Balwan Singh v. Prakash Chand and another (A.I.R. 1976 S.C. 1187), and
- (vii) S. M. Banerji v. Srikrishna (A.I.R. 1960 S.C. 368).

10. At this stage it is necessary to highlight certain peculiar aspects of the election jurisprudence in a democratic set up. Then only one will be able to appreciate the need for the provisions contained in Section 83 of the Act. It should be remembered that the petition seeking interference with the results of an election virtually is one against the valuable verdict of the people at the polls which in a democratic set up, should be given due respect and under no circumstances shall be disregarded on vague, puerile or fanciful allegations (which are not concise or precise) or an evidence which is highly interested and of a shaky and equivocating character. It should also be remembered that it is a well settled principle that the onus is very heavy on the election petitioner to make out a strong case if he wants the court to interfere with the election results. The fact that the exchequer has to spend heavily on elections and that 'the Act' has made effective provisions to make the elections free and fair, are aspects which deter the courts from interfering with the election results on flimsy grounds. Nonetheless, it is the duty of the court to protect the purity and sanctity of the elections by assuring that the contestants in the election will not be permitted to resort to undue influence, fraud, communal propaganda, bribery or other corrupt practices mentioned in the Act to get the valuable votes of the people. It has been so held by the Supreme Court in D. Venkata Reddy v. R. Sultan and others (A.I.R. 1976 S.C. 1599). It is keeping the above principle in view the Supreme Court in the same decision has held thus :—

"Another principle that is equally well settled is that the election petitioner in order to succeed must plead all material particular and prove them by clear and cogent evidence. The allegations of corrupt practices being in the nature of a quasi criminal charge the same must be proved beyond any shadow of doubt. Where the election petitioner seeks to prove charge by purely partisan evidence consisting of his workers, agents, supporters and friends, the Court would have to approach the evidence with great care and caution, scrutiny and circumspection, and would, as a matter of prudence though not as a rule of law, require corroboration of such evidence from independent quarters, unless the Court is fully satisfied that the evidence is so credit-worthy and true, spotless and blemishless, cogent and consistent, that no corroboration to lend further assurance is necessary".

(emphasis supplied) (Headnote)

11. The election petitions where corrupt practices are alleged, have been regarded by judicial pronouncements as proceedings of a quasi criminal nature and hence the charges must be proved beyond any shadow of doubt, by cogent and independent evidence. The burden is therefore very heavy on the person who challenges the election results. (vide A.I.R. 1975 S.C. 290).

12. The petitioner therefore should establish beyond doubt that the respondent has obtained or procured or abetted or attempted to obtain or procure the assistance of the officers made mention of in the petition for the furtherance of the prospects of his election.

13. The decisions relied on by the petitioner to show that precise or concise pleadings and furnishing of particulars of the corrupt practices to sustain an Election Petition, shall not be insisted upon in cases where the parties have let in evidence, according to me, have not taken any deviation from the authorities insisting upon precise pleadings. On going through the said authorities it can be seen that the conclusions arrived at are based on the peculiar facts of those cases. For instance in Prabhu Narayan's case, the appellant, the election petitioner there inter alia had contended that the election was liable to be set aside on the ground that the elected candidate had published certain pamphlets containing certain statements which were false and hence corrupt practice falling under Section 123(4) of the Act. The election commission held that the said allegation was liable to be rejected because the law did not insist upon the furnishing of the particulars about the printing. The Supreme Court after considering the case of the petitioner in that case has held as follows :—

"On behalf of the appellant it was made clear that the only charge made in the petition was the charge of publication of the pamphlets and not their printing and evidence regarding the printing was relied upon only to corroborate the evidence regarding distribution of the pamphlets. It is obvious that when Section 123(4) speaks of publication it means distribution. Mere printing of the pamphlets would not fall under Section 123(4). Therefore the failure to give particulars of the printing cannot lead to the dismissal of the petition. Nor could evidence regarding it be shut out.....".

The other decisions also, as already stated, do not deviate from the authorities insisting upon precise pleadings in regard to the particulars of the corrupt practices etc. although in some of those decisions it has been held that the election petitioner can get the pleadings amended with the permission of the Court. In fact these decisions also insist upon precise pleadings; or else there was no need for the courts to observe that in appropriate cases the petitioner can seek amendment of the pleadings.

14. Therefore I am of the view that the learned counsel for the petitioner is not correct when he makes the submission that when once the issues are struck and evidence is let in, in proof of the case, the parties have set out, no petition can be thrown out on the ground of want of precise or concise pleadings and fullest possible particulars necessary to present in full a picture of the cause of action enabling the opposite party to understand the case, he will have to meet.

15. The law explaining the burden of proof will be dealt with separately and at appropriate stages.

16. It is in this backdrop the issues in the case require to be considered.

17. The issues settled fall into four groups.

(i) The first group consists of issues 2, 3, 4 to 6 and 8 and 9. They pertain to the corrupt practice falling under Section 123(7) of the Act and therefore these issues in fact, constitute a single issue and it is this:— Has the respondent obtained or procured or abetted or attempted to obtain or procure any assistance for the furtherance of the prospects of his election from any of the Government officers mentioned in the election petition?

(ii) The second group consists of issues 1 and 7. They relate to the ground falling under Sec. 100(1)(d) (iv) of the Act. These two issues therefore can be considered as forming one single issue, namely,— Has the result of the election in so far as it concerns the respondent, been materially affected by the non-compliance with the provisions of section 127(A) of the Act.

(iii) Issue No. 12 belongs to the third group. This issue covers the corrupt practice falling under Sec. 123(3) of the Act.

Issues 10 and 11 do not arise for consideration because the petitioner does not press the same.

(iv) Issues 13 and 14 will be considered at the appropriate stage.

ISSUE 2 and 3 :

18. It is submitted that paragraph V (1) of the election petition contains the material facts constituting the corrupt practice of obtaining or procuring or abetting or attempting to obtain or procure by the respondent the assistance, for the furtherance of the prospects of his election, of the Government officials. Sum and substance of the case discernible from this paragraph is that the respondent made an announcement on 26-11-1984 at Kavarathi that Exts. P2 and P2(a) will be published in the official publication of Lakshadweep Times, on the 11th and 14th November, 1984 respectively. It has further been stated that "the publications on 11-12-1984 and 14-12-1984 could not be achieved except under the specific direction of the Administrator and the Information Officer, both gazetted officers". The phrase 'could not be achieved' in the above passage suggests that the petitioner was not certain whether the publication was effected by the Administrator and the Information Officer with the consent of the respondent. The statements in this paragraph do not precisely say that the above publication was effected for the furtherance of the prospect of the respondent's election. Here it is relevant to note that on 18-11-1984 none of the officers, leave alone Administrator and the Information Officer, went to Minicoy Island. It can thus be seen that except to state vaguely and broadly that the respondent could influence the Administrator and the Information Officer to publish Exts. P2 and P2(a) in the Lakshadweep Times, there is no concise statement of material facts and the fullest possible particulars presenting in full, a picture of the cause of action enabling the respondent to understand the case, he may have to meet. No doubt it has been stated in the petition that "the respondent, his agents and supporters assured them (perhaps voters) that the official announcement will be published in Lakshadweep Times, inviting applications for confirmation of occupancy rights on the 11th day of December." However, particulars like the names of the agents and the supporters who made the above announcement, the date, time and the place where they made such announcements, have not been given in the petition. For that matter, there is nothing in the pleadings to show the time at which the respondent made these statements. True, it is stated that one Sri Alimanik Fan, alleged to be the chief worker of the respondent, had made the announcement from Minicoy Island on 9th and 10th day of December, 1984. It is not however, stated in the petition as to the date, the time and the place from where the administrator gave the order to information officer to publish Ext. P2 and P2(a). To probabilise the suggestion in the petition that the Administrator has been helping the respondent in his election campaign the petitioner has stated that the Administrator re-scheduled the voyage of the ship in such a way that the vessel M. V. Amindivi changed its course and touched Androth to take the respondent who was scheduled to reach Minicoy on the 18th December, 1984. The statement in this regard reads :—

"This was specifically done for the purpose of enabling the respondent who was at Androth on 17-12-1984 to proceed to Minicoy Island from Androth so as to reach Minicoy Island on the 18th. This revision of schedule was also done by the authorities not only to enable the respondent to sail to Minicoy from Androth but also to convince the electorate that the respondent was more influential with the Administration and that the matter of confirmation of occupancy rights or any matter he can command anything from the Administration and from the Administrator."

No particulars like the time, the date and place where the Administrator issued the orders changing the voyage of the ship have been given although it is proved that the voyage of the ship has been altered. At this stage it is relevant to make a note of the facts which stand established. As per

the revised programme of M. V. Amindivi (Ext. P13) the ship was scheduled to leave Androth at 12 hours and reach Kavarathi at 17 hours and was scheduled to leave Kavarathi at 20 hours arriving at Minicoy at 6 hours. The respondent admittedly has participated in the Ext. P1 meeting at 2.30 p.m. (14-30 hours) on 17-12-1984. The meeting as per Ext. P1, lasted till 4.30 p.m. 6.30 hours). This fact cannot be disputed. The respondent therefore was not at Androth on that day, that is on 17-12-1984. The allegation in the petition that to enable the respondent sail from Androth to Minicoy, the Administrator re-scheduled the voyage of Amindivi (Ext. P13) is therefore baseless. The Petitioner has further stated that his chief worker Mr. K. Dominic Fan "D. C. C. Congress Vice-President" having come to know about the above activities of the Administrator, had sent a telegram, Ext. P16, to the Chief Election Commissioner complaining this as an "Open and naked interference" in the election in favour of the respondent. Curiously enough this complaint to the Chief Election Commissioner is silent about the particulars like the names of the officers, the date, time and place where the officers issued the alleged orders for the publication of Exts. P2 and P2(a) in the official paper. For that matter there is nothing in the pleading to show that it was done with consent of the respondent. Here it is profitable to take of the observation of the Supreme Court in Fernandez's case that "omission of a single material fact leads to an incomplete cause of action and the statement of claim becomes bad".

19. For the reasons stated above, am of the view that the requirements of Section 83 namely that "the election petition must contain a concise statement of material facts on which the petitioner relies and further that he must also set forth the full particulars of any corrupt practice, that he alleges, including as full a statement as possible, of the names of the parties alleged to have committed such corrupt practice and the date and place of the commission of each such corrupt practice" are not there in the petition. For want of such material facts which are required to formulate a complete cause of action, I hold that there is no properly constituted election petition.

20. Assuming that there is a properly constituted election petition, could it be said that the petitioner has succeeded in establishing the corrupt practice pleaded in para V(1) of the petition? As already noted the allegation that the voyage of the ship was altered, as is seen from Ext. P13, enabling the respondent to reach Minicoy from Androth, is baseless. The said statement in the light of the evidence available on record is liable to be eschewed while considering the case of the petitioner that the respondent obtained or procured the assistance of Government Officials for the furtherance of the prospects of his election.

21. The petitioner has relied on Exts. P1, P2, P2(a), P12, P13, P15, P16 and P17 and the depositions of P.Ws. 3, 13, 14, 15, 16, 17 and 19 in proof of the allegation that Administrator issued directions to the Information Officer to publish Exts. 2 and P2(a) on the 11th and 14th of December, 1984, with a view to further the prospects of the respondent's election. Strangely enough none of these documents furnishes the names of the parties (except the names of the Administrator and the Information Officer) who are alleged to have committed the corrupt practice; nor do they disclose the time, the date and the place of the commission of such practice. Ext. P16 deserves special mention in this connection. This is the earliest document. This emanated from the side of the petitioner at a time when the minds of the persons involved in the election were not tarnished by petty prejudices. Strangely enough none of the materials including the particulars like the names of the persons (except the name of the Administrator) alleged to have committed the corrupt practices and the date and place of the commission of such practices is given in that complaint. That was the proper time when the corrupt practices now alleged in the election petition, ought to have been categorically described and brought to the notice of the election commissioner. This circumstance alone is sufficient to hold that the statement contained in paragraph V(1) of the election petition that the officers

mentioned therein and the respondent committed corrupt practices within the meaning of section 123(7) of the A.t, are without any basis. It is true that in Ext. R15, issued by the Administrator to the Deputy Collector, Minicoy (PW 13) there is the statement that "now you may issue occupancy right straightaway." P.W. 13 says in his re-examination that "without the order of the Administrator I would not have published the notice pertaining to settlement of occupancy rights". He has added that "Message is the order". What is stated in Ext. R15 is "Please get modified form prepared and start issuing occupancy right urgently and intimate." From the evidence it can be inferred that Exts. P2 and P2(a) were published with a view to woo the voters in Minicoy Island from the petitioner and to make them rally round the respondent, the learned counsel for the petitioner submits. It must be remembered that the South Pandaram lands in Minicoy were supposed to be assigned by PW 13 to the occupants after the receipt of Ext. P15 on 10-12-1984. However neither on or after 10-12-1984 nor on 18-12-1984 the date on which the respondent is seen to have gone to Minicoy to have the assignments effected nor near about or before the election the lands were assigned. This is a fact, known to the islanders in Minicoy. The election was nominal to take place on 24-12-1984. The voters by that time might certainly have understood that the contents of the publications, namely Exts. P2 and P2(a) were only a camouflage, not intended to be acted upon and therefore the argument of the petitioner that these publications resulted in his supporters rallying round the respondent, is baseless, the learned counsel for the respondent submits. I see force in this submission. Whatever that be, the said circumstance does not establish that the respondent procured or obtained the assistance of the Government Officials including the Administrator and the Information Officer for the furtherance of the prospects of his election. At this stage it is relevant to consider what exactly is the case of the respondent. According to the respondent, the Administrator did not take appropriate steps on the basis of Ext. R6 judgement, to assign the occupancy right to the holders of the South Pandaram Land in Minicoy Island. Being a public man the learned counsel for the respondent submits that the respondent thought that it was his duty to bring the existence of Ext. R6 judgment to the notice of the Administration and remind them of their duty to act consistent with the directions contained in the said judgment. He admits in his evidence that he did represent the matter to the administration. The learned counsel for the respondent further submitted that at the time when the respondent made the said representation he was a member of Parliament and therefore he was duty bound to make such representations if he really believed in the welfare of the people whom he represents. It is not as if 'there is no system' in the above submission. In a democratic set up it really is the duty of members of Parliament to attend to the welfare of the people whom they represent. Considered in the light of Ext. R6 judgement, the above conduct of the respondent cannot be said to constitute corrupt practice within the meaning of Section 123(7) of the Act. The pleadings in regard to the allegations of the corrupt practices, as already noted are vague and not concise. The pleadings at best help one to infer that the steps taken by the Officers to publish Exts. P2 and P2(a) in the Lakshadweep Times synchronized with the election. Nothing more. Even that, according to me, is not possible to be inferred for reasons more than one. The very fact that none of the officers went to Minicoy Island either after the publication of Exts. P2 and P2(a) or on the 18th for the distribution of the titles to the occupants of the South Pandaram Lands, proves to the tilt that the corrupt practices alleged in the petition are nothing but a foment of imagination. The various proceedings and orders of the Government officers, narrated in the petition to show that the said officers rendered assistance to the respondent to get more votes in the election, are so interlaced and intertwined as to say that the non-existence of any one of them would make the others meaningless. Under Sec. 83 it is mandatory that a concise statement of material facts and the fullest particulars presenting a picture of the cause of action are required to be given in the petition. As laid down by the Supreme Court in Fernandez, "omission of a single material fact leads to an incomplete cause of action and the statement of claim becomes bad". Similarly without a concise statement of material facts showing the ground of corrupt practices, the petitioner cannot present a full picture of the cause of action. The onus

is on the petitioner to co-relate the facts which constitutes the corrupt practice to one of the heads of corrupt practices.

22. The above position notwithstanding the learned counsel for the petitioner submits that the petitioner is giving up all allegations in paragraph V(1) except the following portion therefrom:

"The respondent, the Administrator and the Information Officer knew that the publication during the period of intensive election campaign on 11th and 14th will give a crucial advantage to the respondent in the prospect of the respondent's election and the officers did this at the instance and with the consent of the respondent, and it was done by the authorities as directed by the respondent and with the consent of the respondent. The respondent's declaration that he has got such influence with the Administration that he coulduring the election period itself see that announcement of occupancy right is announced in the official organ in Lakshadweep assisted by the gazetted officers as aforesaid had the desired effect of wooing away voters in Minicoy Island from the petitioner and to make them rally round respondent. On 10-12-1984, and on 11-12-1984 at the instance of and with the consent of the respondent, the Administrator visited Minicoy Island with Sri V. M. Shamsuddin, Plant Protection Officer, Head of the Agricultural Department in the Lakshadweep Administration to give an air of authenticity to the propaganda by the respondent that he is able to influence the Administration to see that the South Pandaram lands are settled. The unprecedented announcement and the activities of the Administrator and the officials influenced the landless inhabitants (voters) of the Minicoy Island, one of the most backward and illiterate areas, to stand behind the respondent in the election. It is submitted that the publication of this official announcement in the official organ regarding confirmation of occupancy right has no precedent in Lakshadweep".

One of the crucial statements that has been given up by the petitioner reads as follows :--

"At the instance of the respondent the Administrator published the same [Exts. P2 and P2(a)] and caused its publication. It was also mentioned by the respondent that he is visiting Minicoy Island on the occasion of distributing title deeds on 18-12-1984. This announcement was made during the period when canvassing in the election by both candidates has been vigorous. The publication on 11-12-1984 and 14-12-81 could not be achieved except under the specific directions of the Administrator and the Information Officer, both gazetted officers."

(Emphasis supplied)

23. It can be seen from the above excerpts that the definite case of the petitioner is that the Administrator with the consent and under the influence of the respondent got Exts. P2 and P2(a) published in the official publication. The pleading in this regard reads:—"It was also mentioned by the respondent that he is visiting Minicoy Island on the occasion of distributing title deeds on 18-12-1984". This allegation has not been proved. There is nothing on record to show that the voters of Minicoy had been given to understand that the lands will be distributed on 18-12-1984. It is with a view to establish the above allegation the petitioner made the following statements in this paragraph :

"In order to give this an official colour and to convince the electorate of the positive role of the respondent the respondent was allowed to sail to Minicoy Island on 18th. The voyage schedule of "M. V. Amindivi" which was not scheduled to touch Androth according to the original schedule was revised for this purpose. This was specifically done for the purpose of enabling the respondent who was at Androth on 17th to proceed to Minicoy Islands from Androth, so as to reach Minicoy Island on 18th. This revision of schedule was

also done by the authorities not only to enable the respondent to sail to Minicoy from Androth but also to convince the electorate that the respondent was very influential with the Administration and in the matter of confirmation of occupancy rights or on any matter he could command anything from the Administration and from the Administrator.....

.....Except through voyage in the ship M. V. Amindivi there is no other legal method of reaching Minicoy Island from Androth on 18th."

That the respondent had participated in Ext. P1 meeting on the 17th at Kavarathi, is beyond dispute. The evidence let in by the petitioner is more than enough to hold that the above allegations are not only baseless but false. The petitioner therefore should necessarily give up the said allegations against the officers to make it appear that these allegations have nothing to do with the statement in the petition to the effect that the respondent procured the assistance of Government officers for the furtherance of his election prospects. To say the least the truncated pleadings do not make out any cause of action.

24. For the reasons stated above issues 2 and 3 are answered against the petitioner.

ISSUE 4, 5 and 6.

25. The statements pertaining to these issues are dealt with in paragraphs V(2)(3) and (5). These pleadings are again geared to the corrupt practices within the meaning of Section 123(7). The statements in these paragraphs again do not disclose the materials on which the petitioner rely, to establish the corrupt practice; for that matter they also do not set forth the full particulars of any corrupt practice like the names of the parties who committed such corrupt practice and the date and place of commission of each of such corrupt practice. The materials furnished do not make out a cause of action. For want of particulars presenting a full picture of the cause of action, it will be difficult for the respondent to meet the case of the petitioner. No doubt the petitioner has given the names of the Administrator and the Plant Protection Officer elsewhere in the petition. However the names of the other Government officials who accompanied the team deputed by the Information Ministry, Government of India to shoot the documentary film on Lakshadweep, are not stated anywhere in the petition. The allegations are more or less the following :—

Under the guise of film shooting, the Administrator, the Plant Protection Officer and other officers visited all the islands including Minicoy and in all the islands, the Administrator made short speeches requesting the people who had gathered there to witness the film shooting, to vote for respondent. The Administrator requested them to support the candidature of the respondent. It is further stated that the Administrator by himself has no powers of film shooting. But he availed of the opportunity to prevail upon the voters who, but for this interference, would not have exercised their franchise in favour of the respondent. It is also stated that the workers of the respondent particularly one Alimanik Fan, were very freely allowed to mingle with the members of the film shooting team. The Administrator and the other officers allowed these to be done with a view to further the election prospects of the respondent. The answer of the respondent is that the film shooting was a project sponsored by Central Ministry of Information and Broadcasting to prepare a documentary on the life and living conditions of the people of Lakshadweep. To accomplish this, the Films Division deputed a team including the Administrator who was appointed as the Director of the film. In that capacity alone the Administrator visited the islands. Those visits have nothing to do with the election. Though it has been alleged that the Administrator made short speeches to the gathering at the location shooting strangely enough the time, the date or the place where such speeches were made, are not pleaded in the petition. The pleadings therefore are not precise. They are vague. They are not capable of constituting a cause of action. They are mere allegations. Whatever that be the said allegations stand refuted. About the speech made by Alimanikfan under the auspicious of the Administrator, that also has been denied. The place where the said Cheriya Koya

made the speech, the time when he made the speech, are also not stated in the petition.

26. It has been stated in the petition that immediately after the speeches a film showing the funeral of the late Prime Minister Smt. Indira Gandhi was shown to the gathering. The place where and the time at which the films were shown, have not been stated in the petition. The name of the person who showed the film also is not given. For want of such particulars, it should be held that the pleadings in this regard in the petition are vague and not precise. They are therefore liable to be eschewed.

27. Now we have to see whether the petitioner has successfully discharged his burden of proving the allegations in the petition though not precise or concise. P.W. 10 is a witness examined in this connection. His evidence is not acceptable, the reason being that he was not summoned, as is seen from the summons, to speak about the film show. He was produced only to speak about or prove the disciplinary proceedings said to have been initiated against the officers mentioned in paragraph V(5) of the petition. He has however, been made to speak about the film shows. Why did he not say as to where the film was exhibited, which officer showed it, the time when it was showed etc ? He is an interested witness, cannot be disputed. In fact he admits that. Yet another witness examined in this connection is P.W. 15. He is a stranger to the island. He says that there were very many respectable persons among the audience. But why the petitioner did not summon any such person to speak about these incidents, is a conduct inexplicable. P.W. 4 is another witness examined by the petitioner. He has deposed that due to the assassination of Smt. Indira Gandhi on the 31st October 1984 the film making can be had only in November-December 1984. He is the Chairman of the Sahitya Academy. Curiously enough no question has been put to P.W. 16, the Administrator in this regard. No complaint like this finds a place in Ext. P16 petition to the Chief Election Commissioner. As already stated Ext. P16 is the earliest document emanated from the side of the petitioner and therefore one would expect the petitioner to have exhaustively narrated all the incidents that are now incorporated in the election petition, in the said complaint. The incidents narrated in the election petition in the circumstances should be held to be the result of an afterthought. It therefore follows that the allegation in the petition that the Government Officials chalked out the programme to make the film during the election time, in order to facilitate the election prospects of the respondent, to say the least is mythical.

28. The mere fact that the Administrator and the other Government officials and the films division team deputed by the Central Government to shoot the film and some of the workers of the respondent were present at the location shootings and also the fact that the film shooting incidentally took place during November-December 1984 (the reason as to how the film shooting could take place only during November-December 1984 has already been explained by the witnesses) do not lead to the inference that the respondent procured the assistance of Government Officials for the furtherance of his election prospects. In fact the evidence that is set in is highly interested. No independent witness has been examined although even on the showing of the petitioner himself there were respectable persons in the gathering wherever location shootings had taken place. The petitioner forgets the fact that he, in order to succeed, must plead all material facts and prove them by clear and cogent evidence. The allegations of corrupt practices being in the nature of a quasi-criminal charge, the same must be proved beyond any shadow of doubt. It is by now well established as is seen from the judicial pronouncements mentioned elsewhere in the judgement, that where the election petitioner seeks to establish the charge of corrupt practices by the evidence of partisan witnesses like his workers, agents and supporters and friends, the court would have to assess the value of the said evidence with "great care and caution, scrutiny and circumspection". Such evidence though not as a rule of law, as a matter of prudence require corroboration from independent quarters. The evidence of the Administrator, examined as P.W.16, cuts at the very root of the case of the petitioner based on Section 123(7). The evidence afforded by other witnesses cannot be accepted because the

are all highly interested in the petitioner. In this connection it is relevant to note the evidence given by P.W.4 He has deposed thus :—

"I put it to you that in the capacity of the Plant Protection Officer you necessarily have had contact with the agricultural labourers. I deny the suggestion. I have not seen Alimanikfan mentioned above talking to the persons who had gathered there. I put it to you that the Administrator and Mr. Alimanikfan spoke one or two sentences to the persons gathered at the time of the shooting of the film. I deny the suggestion. I have not seen it."

P.W.4 it must be remembered was examined to establish the role the Government officials played in the election.

29. The oral evidence tendered by the witnesses examined by the petitioner to prove the alleged speeches made by Alimanikfan in the presence of P.W.16, is also liable to be rejected. Alimanikfan admittedly is not the election agent of the respondent. If that be so it must be proved that he spoke to the gatherings at the location shootings (there is no evidence to show the place, the time and the date on which he made such speeches) at the instance and consent of the respondent. The speech was supposed to have been made at the National Integration Committee meeting. Ext. P9, the paper cutting, is produced in proof of this allegation. It contains the speeches made by the officials as also the non-officials. However there is nothing to support the above allegations. It is true that P.W.11 who proved Ext. P9 says that there were many more matters the speakers touched upon in the meeting but not seen published in the paper. The evidence of P.W.11 requires to be considered with caution and circumspection because he admittedly is the chief spokesman of the petitioner. He therefore is a highly interested witness. His evidence is not corroborated by independent evidence. Yet another document relied on in this connection is Ext. P10. This is a leaflet issued by N.S.U.(1) President and not by the respondent. Neither the author of Ext. P10 nor the printer has been examined. Ext. P10 in the absence of the evidence of the person who is responsible for the publication of the same is worthless. It is all the more so because such leaflets can be printed by any person attributing the authorship to anyone whom he likes. The very fact that the petitioner did not summon the supposed author of Ext. P10 to prove the contents thereof, is more than sufficient to hold that the petitioner himself doubts the veracity of the statements in the said document. The evidence of the witness P.W.11 that about 3000 copies of Ext. P10 were distributed in the meeting, is therefore liable to be rejected. In this connection it is relevant to note that the respondent has emphatically refuted his connection with the distribution of the leaflet. There is nothing in the pleadings to show, as to who distributed copies of Ext. P10 and the time when it was distributed etc. The evidence in this regard also is therefore liable to be rejected.

30. In the light of what is stated above, I have no hesitation to hold that the petitioner has not been successful in establishing the corrupt practices alleged in paragraphs V (2), (3) and (5) of the petition. The issues are therefore answered against the petitioner.

ISSUE NOS. 1 and 7

31. The pleadings pertaining to these issues are contained in para V(5) of the election petition. The sum and substance of the pleadings in this regard is that the Administrator with a view to scare away the voters who are related to Government Officers, from the fold of the petitioner, has been indiscriminately transferring the said officers. These officers were also threatened with disciplinary action. Such actions were initiated at the instance of the respondent. The notices to the officers threatening with disciplinary actions etc, were issued by the Administrator with a view to assist respondent in his election, the petitioner submits. It is further alleged that contrary to the directions of the election commission, various transfers were effected to scare the distant relatives of the Government Officers who worked for the petitioner. The pleadings conclude thus :—

"Sri K. Alikoya, the Sub-Treasury Officer, Agathi was transferred. He moved the Hon'ble High Court for obtaining a stay. Though there was no stay order, the transfer was cancelled and he was again retained in the said place itself on an understanding that his relatives canvas for the respondent. These actions were done on the directions of the respondent and with the consent of the respondent and the relatives of this officer began vigorous campaign for the respondent".

Sri Alikoya mentioned above was examined as P.W. 18. But no was not asked any question in regard to the above allegations. P.W. 18 has proved Ext. P18. Ext. P18, dated 9-1-1956, a document came into being after the election was over, cannot be relied upon by the petitioner to establish his case. P.W. 7 has proved Ext. P7. Ext. P7 is a notice containing certain charges levelled against P.W. 7. In his evidence he states that no action was taken either on Ext. P7 or on the subsequent notice containing some additional charges. He was asked whether he was aware of any notice similar to Ext. P7 having been served on other Government servants. In answer he says that he cannot exactly say "as to how many Government servants were served with such notices." No other evidence in proof of the pleadings in para V(5) of the petition has been let in by the petitioner. In short the petitioner has not established any of the allegations contained in the said pleadings. There is nothing to show that the Government Officers were transferred at the instance of the respondent. There is nothing to show that the relatives of the said Government Officers have changed their allegiance and cast their vote in favour of the respondent. In these circumstances I have no hesitation to hold that the petitioner has miserably failed to establish the case put forward in paragraph V(5) of the Election Petition. The issues accordingly are answered against the petitioner.

ISSUE NOS. 1 and 7

32. Pleadings in regard to these issues are contained in para V(4) of the petition. The allegation in short is that Exts. P10, P11 and P11(a) without the printer's name were distributed by the supporters of the respondent. The allegation is that the said notices were caused to be printed by the respondent or they were printed as per the instruction or direction issued by the respondent. These are election pamphlets. The respondent is the publisher. His name is seen on the face of the pamphlet. The printing of a pamphlet or a poster without the name of the publisher and the printer on its face is an offence falling under Section 127(A) of the Act. This in turn can be said to be a non-compliance with the provisions of the Act and therefore the same constitutes a ground falling under Section 100(1)(d)(iv) of the Act to declare the election void. The Section :—

"Subject to the provisions of sub-section (2) if the High Court is of opinion that the result of the election, in so far as it concerns the returned candidate, has been materially affected, by any non-compliance with the provisions of the Constitution, or of this Act or of any Rules or Orders made under this Act".

It is in this background the allegations in the petition, require to be considered. The respondent has examined R.W. 2, the manager of Amar Kerala Press to show that Exts. P11 and P11(a) were printed in Amar Kerala Press. It is clear from the evidence of R.W. 2 that Exts. P11 and P11(a) were printed in Amar Kerala Press and it was due to an inadvertent omission, the name of the printer was not printed on these notices. This evidence corroborates the evidence given by R.W. 1, the respondent, namely, that he got the notices printed in Amar Kerala Press. His name has been printed in the notice and there is no dispute about it. As soon as he noticed the above defect in the printing, the respondent directed his workers to stop distribution of copies of Exts. P11 and P11(a) among the electorate. The respondent also took up the responsibility of getting the pamphlet printed. From this evidence it is clear that neither the respondent nor the printer has intentionally got Exts. P11 and P11(a) printed without the printer's name. Nevertheless it can be argued that by the non-compliance with the provisions contained in Sec. 127(A) of the Act, the result of the election, to so far

as it concerns the respondent has been materially affected. The question therefore arises whether the petitioner has been successful in establishing that the results of the election in so far as it concerns the respondent has been materially affected. The petitioner should specifically plead that the non-compliance with the provisions of Sec. 127(A) has resulted in the respondent getting more votes than he would have got, had such notices not been published. In short the petitioner should establish by cogent and positive evidence that but for the publication of Exts. P11 and P11(a) the respondent would not have got elected. The language of Section 100 (1)(d)(iv) is very clear that the non-compliance with the provisions of the Act, the Constitution or any rules or orders made under the Act is not fatal, in that the election will not be declared void automatically, unless it is further proved that the result of the election has been materially affected by the non-compliance of the provisions aforesaid. I am well fortified in this view by the decisions of the Supreme Court in A.I.R. 1954 S.C. 513 and A.I.R. 1966 S.C. 824.

33. That there is non-compliance with the provisions of Section 127(A) in regard to the publication of Exts. P11 and P11(a) is beyond doubt. But is that sufficient to set aside the result of the election? The answer is an emphatic one in view of the fact that the petitioner has not been successful in establishing that the election or in so far as it concerns the respondent has been materially affected by the non-compliance with the provisions of the Act. As already stated there is not even a whisper in the pleadings [para V(4) of the petition] that the result of the election in so far as it concerns the report, has been materially affected due to the non-compliance with the provisions of Section 127(A). The pleadings in the said paragraph are geared to the role played by the Gazzeted Officers in charge of the administrator to get these notices printed in the Government Press Kavarathi and Minicoy. The trend of the pleadings would indicate that if the printer's name had been printed in Exts. P11 and P11(a), there could not have been any objection at all in distributing the same among the electorate. There is no complaint discernible either from the pleadings or from the evidence that Exts. P11 and P11(a) contain any personal attack against the petitioner. Even at the Exts. P1 U.T. level meeting, no complaint other than the one aforesaid namely that Exs. P11 and P11(a) had been printed without the name of the printer and publisher, had been made by the petitioner. Strangely enough the petitioner has not examined any witness to show that Exts. P11 and P11(a) documents made the electorate believe that the petitioner is not a true Muslim although there is a statement in Exts. P11 and P11(a) that the electorate shall not be misled by non-believers.

34. From the discussion above it is clear that there are no pleadings on the crucial aspect of the case namely that the non-compliance with the provisions of Section 127(A) has materially affected the result of the election. The issue therefore is answered against the petitioner.

ISSUE NO. 12.

35. The pleadings in this regard are seen in para V(8) of the petition. It is discernible from the pleadings that one Janab M. K. Syed Muhammed Musaliar of Kalpeni, an active supporter of the respondent delivered a speech at Kalpeni on 13-12-1984 that the petitioner's cousin is an Ahamedee and that the petitioner is also an Ahamedee and therefore those who vote for an Ahamedee, will be rendered an object of divine displeasure and therefore they will be ostracised by the community. He also had composed a song depicting the petitioner as an apostate from Islam and the song was tape-recorded in cassette by the respondent and his workers and this cassette were played to the electorate at several places. This was done with a view to persuade the pious and illiterate Muslims from casting their votes in favour of the petitioner. This was prejudicially affected the prospect of the petitioner's election. This allegation would indicate that this is a corrupt practice coming under Section 123(3) of the Act. Sub-section (3) of Section 123 provides that the appeal by a candidate or his agent or by any other person with the consent of a candidate or his election agent to vote or refrain from voting for any person on the ground of his

religion race, cast, community or language or the use of, appeal to religious symbols or the use of, or to appeal to, national symbols, such as the national flag or the national anthem, for the furtherance of the prospects of the election of that candidate or for prejudicially affecting the election of any candidate, is a corrupt practice. Has the petitioner proved that the speeches made by Janab M. K. Syed Muhammed Koya Musaliar, were made at the instance or with the consent of the respondent? Strangely enough there is no mention in the pleadings that the respondent participated in such meetings, where the aforesaid Musaliar spoke that the petitioner's cousin was an Ahamedee. Similarly there is nothing to show that the respondent's workers tape recorded the song composed by Musaliar and displayed it anywhere else. There is no mention anywhere in the pleadings that the Musaliar made the speeches and composed the song with the consent of the respondent. For that matter there is nothing in the pleadings to show that the workers of the respondent did it with the consent of the respondent. The only witness examined to prove this is P.W. 9. He is an Ahamedee. In his evidence he has stated that the petitioner belongs to the Sunny Sect though his brother is an Ahamedee. In cross-examination he has stated that he "wished that the petitioner won the election". The petitioner is from Kalpeni. In Kalpeni the petitioner is a well-known figure and those who know him also knew that he belonged to the Sunny Sect. He had attended the meeting convened by the supporters of the respondent and at one such meeting the respondent, P. C. K. Thangal, and P. Pookoya also spoke. One C. G. Syed presided over the meeting, though he did not make a speech. He is an ordinary person. He is alive and so is the care with those who listened to the speeches at such meetings. In the gathering the followers of both sides were present. The witness says : "for instance, I in support of the petitioner". He has further deposed that "I have not told the petitioner about these speeches of Musaliar. I have not told him about this before the election. I have told him after the election. When I told him about this he told me he already knows about it and that he has heard the songs". This evidence of P.W. 9 without being corroborated by independent evidence, cannot be accepted for the simple reason that on his own showing he is a highly interested witness. Whatever that he there is nothing on record to show that the above allegations that the Musaliar mentioned above and respondent made certain speeches describing the petitioner as an Ahamedee, has resulted in his losing the support of the voters. It should be remembered that the paramount purpose of S. 123(3) is to prevent religious influence from entering the electoral field and if that be so, the petitioner has not been successful in establishing the same. To say the least, the petitioner has not been successful in establishing any of the allegations. The issue therefore is answered against the petitioner.

ISSUES 10 and 11

The petitioner submits that he is not pressing these issues.

ISSUE No. 13

In view of my findings on the other issues, this issue is answered against the petitioner. The petition accordingly is liable to be dismissed.

ISSUE NO. 14

The petition accordingly is dismissed with costs which is fixed at Rs. 2000.

The Registrar shall immediately intimate the substance of this decision to the Election Commission and the Speaker of the Lok Sabha and shall thereafter send as urgently as possible an authenticated copy of this judgement to the Election Commission, as required under Section 103 of the Representation of the People Act, 1951.

12th September, 1986.

Sd/-

(K. P. RADHAKRISHNA MENON)

